শৰ্মা হাৰ্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 122 | गुवाहाटी | रविवार, 1 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

आर्थिक विकास के लिए स्थानीय उत्पादों के निर्यात पर दे ध्यान : उपराष्ट्रपति — पेज 2
मंत्री सिंघल ने मिशन बाढ़ मुक्त गुवाहाटी की बैठक में लिया हिस्सा — पेज 3
वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में भारत सशक्त : ओम बिरला — पेज 5
केन विलियमसन 9000 टेस्ट रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बने — पेज 7

door graph — Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
समस्त कार्य पूर्व मंत्रणा से करने चाहिएं।
– आचार्य चाणक्य

पूर्वोत्तर में आईआईएसएफ की शुरुआत, 1500 से अधिक छात्र हुए शामिल

मानव जीवन के उज्ज्वल भविष्य को आकार देता है विज्ञान : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज आईआईटी गुवाहाटी में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) 2024 में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. शर्मा ने आईआईएसएफ को नवाचार, उत्कृष्टता और राष्ट्रीय विकास और समृद्धि को आगे बढ़ाने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिनके नेतृत्व ने पूर्वोत्तर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खासकर, वैज्ञानिक प्रगति के परिवर्तनकारी प्रभाव के माध्यम से। उन्होंने कहा कि हमारे समकालीन परिदृश्य में, किसी राष्ट्र की प्रगति प्रौद्योगिकी, संसाधनों और पूंजी के सामंजस्यपूर्ण एकीकरण से जटिल रूप से जुड़ी हुई है, जो परिवर्तन के लिए प्रौद्योगिकी को प्राथमिक उत्प्रेरक के रूप में उजागर करता है। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रगति सामाजिक समानता प्राप्त करने, गरीबी को कम करने और जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कृषि से लेकर स्वास्थ्य सेवा, पर्यावरण विज्ञान, -शेष पृष्ठ दो पर

सिलीगुड़ी : खाई में गिरी बस, छह की मौत, दर्जनों घायल

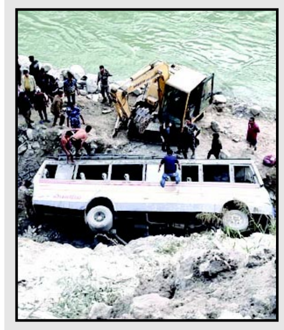

गंगटोक। सिलीगुड़ी से गंगटोक जा रही एक निजी बस खाई में गिरने से 6 लोगों की मौत और दर्जनों घायल हुए है। दुर्घटना शनिवार दोपहर की है। इसकी पुष्टि कालिम्पोग जिला अधिकारी ने की है। उन्होंने बताया है की पुलिस और सिविल अधिकारी घटना की जांच में जुटे है। घायलों को सिक्किम के रंगपो, सिंगताम जिला हॉस्पिटल और गंगटोक के हॉस्पिटलों में उपचार के लिए पहुंचाया गया है। पुलिस और अधिकारी टीम मृतक और घायलों की पहचान में जुटी है। जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल पंजीकृत डब्लूबी 73सी 4535 नम्बर धारी निजी बस (क्वॉलिटी) कालिम्पोग जिला के रंगपो परिसर स्थित भोटे भीर से तीस्ता नदी किनारे गिर गई। बालू के ढेर में अटकने के कारण नदी में गिरते गिरते बच गई। बस सिलीगुड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बुशरा बीबी अचानक हो गईं लापता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। वह 19 करोड़ पाउंड के कथित भ्रष्टाचार मामले में अदालत में पेश नहीं हुई हैं, जिसके बाद उनकी तलाश के लिए पुलिस और राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) छापेमारी कर रहे हैं। बुशरा बीबी पिछले आठ सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश नहीं हुईं, जिसके कारण अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती -शेष पृष्ठ दो पर

ज्योतिरादित्य सिंधिया पर मधुमक्खियों ने किया हमला

शिवपुरी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। शनिवार को ज्योतिरादित्य सिंधिया मध्य प्रदेश के शिवपुरी में माधव नेशनल पार्क के चांदपाठा झील पर ड्रेजिंग मशीन का उद्घाटन करने पहुंचे थे। इसी दौरान वहां मधुमक्खियों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया। हमले के बाद सिंधिया के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें जैसे तैसे उनको बाहर निकाला। -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने की लोक सेवा अधिकार प्राधिकरण की शुरूआत

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज असम राज्य लोक सेवा अधिकार प्राधिकरण की औपचारिक शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने आज एक भव्य समारोह में इसे औपचारिक रूप से लागू करने के बाद सोशल मीडिया के जरिए कहा कि इसके जरिए एक बहुत बड़ी शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि असम राज्य लोक सेवा अधिकार आयोग एक ऐतिहासिक प्रयास है, जो आज लागू हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब नागरिकों को 441 सार्वजनिक सेवाओं की समय पर डिलीवरी का अधिकार होगा और परिभाषित शिकायत निवारण तंत्र के साथ इन सेवाओं से वंचित होने की स्थिति में जवाबदेही तय की जाएगी। समारोह में मुख्यमंत्री ने बताया कि किस -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार ने दूरस्थ शिक्षा में सहायता के लिए ई-कक्षा शुरू की

गुवाहाटी। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने राज्य की शिक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शनिवार को मिशन ज्ञान की *ई-कक्षा* पहल की आधिकारिक शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य अनुभवी शिक्षकों द्वारा कक्षा 1 से 10 तक के छात्रों को असमिया में वीडियो-आधारित पाठ प्रदान करना है। पेगु ने इस बात पर जोर दिया कि प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक के सभी पाठ असमिया में वीडियो प्रारूप में उपलब्ध होंगे, और जल्द ही बंगाली और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी इसका विस्तार करने की योजना है। वीडियो यूट्यूब चैनल ई कक्षा असम और *मिशन ज्ञान* मोबाइल ऐप के माध्यम से सुलभ होंगे, जिससे छात्र कहीं से भी सीख सकेंगे, यहां तक कि इंटरनेट एक्सेस के बिना भी। शुभारंभ के दौरान, शिक्षा मंत्री ने इन वीडियो पाठों के निर्माण में योगदान देने वाले शिक्षकों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए तथा इस नवीन शैक्षिक परियोजना में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता दी। ई कक्षा को मिशन ज्ञान नामक एक गैर सरकारी संगठन ने असम के शिक्षा विभाग के सहयोग से विकसित किया है। शिक्षकों ने इन पाठों को तैयार करने में सक्रिय रूप से सहयोग -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर सरकार की मिजोरम सीएम को दो टूक

अच्छे पड़ोसी बनकर रहें नफरत न भड़काएं

इंफाल। मणिपुर सरकार ने मिजोरम के सीएम लालदुहोमा पर हमला बोला है। मणिपुर ने कहा कि मिजोरम के सीएम अच्छे पड़ोसी बनकर रहें नफरत न भड़काएं। दरअसल, मणिपुर हिंसा को लेकर हाल ही में लालदुहोमा ने मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि सीएम एन बीरेन सिंह भाजपा के लिए बोझ हैं और उनके प्रशासन की तुलना में राष्ट्रपति शासन भी बेहतर है। लालदुहोमा के इसी बयान पर मणिपुर सरकार ने उन पर पलटवार -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में अगरतला-कोलकाता की बस पर हमला

अगरतला (हि.स.)। त्रिपुरा के परिवहन मंत्री सुधांशु चौधरी ने बांग्लादेश में ब्राह्मणबारिया विश्वार रोड पर अगरतला (त्रिपुरा) से कोलकाता जा रही श्यामली परिवहन यात्री बस पर हमले की निंदा की है। उन्होंने घटना में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शनिवार को मंत्री सुधांशु चौधरी ने कहा कि त्रिपुरा की राजधानी अगरतला से कलकत्ता जाते समय बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया विश्वरोड पर श्यामोली ट्रांसपोर्ट की एक बस पर हमला किया गया। उस बस में सवार लगभग सभी यात्री भारतीय हैं। इस प्रकार हुई घटना से बस के यात्री भयभीत हो गये। उन्होंने बताया कि जब बस ब्राह्मणबारिया विश्वा रोड से गुजर रही थी तो अचानक एक मालवाहक ट्रक ने जानबूझकर बस को टक्कर मार दी। तभी सड़क पर बस के सामने एक ऑटो आ गया और आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने भीड़ भरी बस के भारतीय यात्रियों को तरह-तरह से धमकाया। इतना ही नहीं, उन्होंने भारत विरोधी -शेष पृष्ठ दो पर

नहीं करेंगे बांग्लादेशी मरीजों का इलाज : कोलकाता अस्पताल

कोलकाता। कोलकाता के एक अस्पताल ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के विरोध में बड़ा फैसला लिया है। मनिकतला के जेएन रे ने कहा कि वह बांग्लादेशी मरीजों का इलाज नहीं करेगा। अस्पताल के अधिकारी सुभ्रांशु भक्त ने कहा कि हमने एक नोटिफिकेशन जारी किया अनिश्चित काल तक हम किसी भी बांग्लादेशी मरीज को इलाज के लिए भर्ती नहीं करेंगे। तिरंगे का अपमान किए जाने के कारण कोलकाता के इस अस्पताल ने यह फरमान इसलिए सुनाया है। उन्होंने शहर -शेष पृष्ठ दो पर

दिल्ली में केजरीवाल पर हमला भीड़ ने हमलावर को पीटा, गिरफ्तार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के प्रमुख और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के ऊपर हमला हुआ है। किसी ने उनके ऊपर कोई तरल पदार्थ फेंका है। गनीमत रही कि इस हमले में वह बाल-बाल बच गए। इस दौरान अरविंद केजरीवाल के साथ मौजूद लोगों ने आरोपी को दबोच लिया और साथ चल रही पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट करके उससे पूछताछ शुरू कर दी है। इस घटना को लेकर आम आदमी पार्टी ने भाजपा के कई शीर्ष नेताओं पर आरोप लगाए हैं। इस घटना का वीडियो -शेष पृष्ठ दो पर

प्रमोद बोड़ो ने बीटीआर के लिए विशेष सेना रेजिमेंट का प्रस्ताव रखा

बीटीसी प्रमुख ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री से मुलाकात की

कोकराझाड़। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने शुक्रवार को नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। बैठक के दौरान, बोड़ो ने भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा आयोजित भर्ती रैलियों और अन्य पहलों में बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के युवाओं की सक्रिय और उत्साही भागीदारी पर प्रकाश डाला। इसके अलावा, बीटीसी प्रमुख ने रक्षा मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें बीटीआर के लिए *प्रादेशिक सेना होम एंड हर्थ बटालियन* नामक एक विशेष रेजिमेंट के निर्माण का प्रस्ताव दिया गया। उन्होंने कहा कि यह पहल क्षेत्र के युवाओं को रक्षा बलों में शामिल होने और राष्ट्र की सुरक्षा में योगदान देने के लिए एक समर्पित मंच प्रदान -शेष पृष्ठ दो पर

अब इंसानों की धुलाई करेगी वाशिंग मशीन! चंद मिनटों होगी दिमाग और शरीर की सफाई

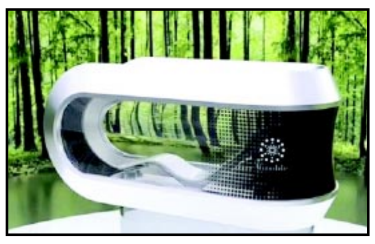

टोक्यो। कपड़े धोने वाली वाशिंग मशीन का नाम सुनते ही दिमाग में घरेलू कामकाज की तस्वीर उभरती है, लेकिन अब जापान ने तकनीक के क्षेत्र में ऐसा कदम उठाया है, जो चौंका देने वाला है। एक जापानी कंपनी ने ह्यूमन वाशिंग मशीन विकसित की है, जो इंसानों को सिर्फ 15 मिनट में साफ और सूखा सकती है। जापानी ह्यूमन वाशिंग मशीन न केवल तकनीकी नवाचार का उदाहरण है, बल्कि यह दिखाती है कि कैसे विज्ञान और तकनीक हमारी जीवनशैली को बदल सकते हैं। यह मशीन आने वाले समय में साफ-सफाई और स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्रांति ला सकती है। जापानी मीडिया असाही शिंबुन के मुताबिक, यह अनोखी मशीन किसी जेट फाइटर के कॉकपिट की तरह दिखती है। इसे खासतौर पर इंसानों को धोने -शेष पृष्ठ दो पर

ईसी ने 3 दिसंबर को कांग्रेस नेताओं को बुलाया, कहा-

चुनाव में कोई गडबड़ी नहीं, हर सवाल का मिलेगा जबाव

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस की ओर से ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) समेत चुनाव प्रक्रिया से समझौता किए जाने को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर निर्वाचन आयोग ने शनिवार को जवाब देते हुए कहा कि चुनाव में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। आयोग ने कहा कि इसके बाद भी पार्टी के जो भी सवाल है वह उन सभी का लिखित और मौखिक दोनों ही तरीके जवाब देने को वह तैयार है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को तीन दिसंबर को शाम पांच बजे मिलने अपने मुख्यालय बुलाया है। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस पार्टी को यह जवाब उनकी ओर से 29 नवंबर को चुनाव में गड़बड़ियों को लेकर सौंपे गए ज्ञापन पर दिया है। जिसमें वोटों की संख्या -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आर्थिक विकास के लिए स्थानीय उत्पादों के निर्यात पर दे ध्यान : उपराष्ट्रपति

इटानगर (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित किया। इस मौके पर उपराष्ट्रपति की धर्मपत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ और राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक, मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री और विधानसभा के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति ने अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए राज्य के लोगों की प्राकृतिक सुंदरता और प्रकृति के उपहार की सराहना करते हुए कहा कि अरुणाचल प्रदेश पर्यटन स्थल के लिए स्वर्ग है। उन्होंने लोगों को आर्थिक विकास के लिए अपने स्थानीय उत्पादों के निर्यात पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। राष्ट्र में संवैधानिक दिवस मनाने का कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को शिक्षित करना या सूचित करना है कि संविधान का निर्माण कैसे हुआ और निर्माण के दौरान लोगों के बलिदान और राष्ट्र के सबसे लंबे आपातकाल के बारे में याद दिलाना है। उन्होंने अपील की कि सभी को राष्ट्र के विकास के लिए मिलकर काम करना चाहिए और राष्ट्र को और अधिक मजबूत बनाना चाहिए तथा भ्रष्टाचार के खिलाफ भी आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने विधानसभा के सदस्यों को राज्य के विकास के लिए अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने की सलाह दी। विधानसभा के अध्यक्ष टेसाम पोंगटे ने उपराष्ट्रपति और अन्य सदस्यों का स्वागत करते हुए विधानसभा स्थापना और केंद्र शासित प्रदेश से एक राज्य में परिवर्तित करने के बारे में प्रकाश डाला। राज्य की युवा पीढ़ियों के लिए राज्य के इतिहास को रखने के लिए विधानसभा के पुस्तकालय, संग्रहालय और ई-विधान सभा के बारे में बताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने राज्य के लोगों की ओर से उपराष्ट्रपति का स्वागत किया और एक राज्य के रूप में अरुणाचल प्रदेश की यात्रा पर भी प्रकाश डाला। राज्य की विकास गतिविधियों के साथ-साथ राज्य में चल रही परियोजनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के राज्य सरकार पर सहयोग और जीवंत ग्राम विकास गतिविधि पर भी प्रकाश डाला।

युवा परिवर्तन के वाहक और देश की विकास गाथा के नायक हैं : लोस अध्यक्ष

नई दिल्ली (हि.स.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि 21वीं सदी भारत की है और इस सदी में युवा हमारी विकास गाथा का नेतृत्व करेंगे। बिरला आज मानव रचना विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के 27वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। बिरला ने कहा कि युवाओं में नई उमंग, नया उत्साह, सामर्थ्य, नई इनोवेशन करने की क्षमता और समय की मांग के अनुसार बदलाव लाने का आत्मविश्वास है। विश्व पटल पर भारत के बढ़ते कद के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश आगे बढ़ रहा है और हमारी युवा पीढ़ी इस परिवर्तन में सबसे आगे है। नवाचार और प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व कार्य कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 21वीं सदी भारत और यहां के युवाओं की है, जो पूरी दुनिया के देशों में नवाचार क्रांति को आगे बढ़ा रहे हैं। भारत की ज्ञान, सामर्थ्य और संस्कृति की समृद्ध विरासत को मजबूत भविष्य की आधारशिला बताते हुए उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम अर्थात दुनिया को एक परिवार मानने की विचारधारा की बात भी की। उन्होंने प्रौद्योगिकी, नवाचार और चार्टर्ड अकाउंटेंट जैसे अन्य व्यवसायों के क्षेत्रों में दुनिया भर में भारतीयों के नेतृत्व की सराहना भी की, जो विभिन्न उद्योगों में वैश्विक उत्कृष्टता के नए आयाम गढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा परिवर्तन के वाहक हैं और भारत की विकास गाथा के नायक हैं। भारत की विकास गाथा में लोकतंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए बिरला ने कहा कि संवाद और चर्चा राष्ट्र की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है। भारत के संविधान की 75वीं वर्षगांठ के बारे में बात करते हुए उन्होंने संवैधानिक मूल्यों के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता का जिक्र किया, जिससे हमारी सफलता का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर कठिनाइयों को पार करते हुए शिक्षा, प्रौद्योगिकी और नेतृत्व में उत्कृष्टता हासिल की थी। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे अपनी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प से दुनिया को बेहतर बनाएं। बिरला ने स्नातक छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने

बाक्सा में सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा में हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार बाइक नियंत्रण खोकर हाईवे पर पलट गया। यह दुर्घटना भारत-भूटान सीमा पर अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 127 (ए) पर हुई। मृतक की पहचान शिमला पुखुरीपार गांव के निवासी धनंजय बोरो (18) के रूप में हुई है। बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई।

सड़क दुर्घटना में छात्र की मौत

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के बटद्रवा के कदमनी इलाके में हुए सड़क हादसे में एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार को स्कूल से साइकिल लेकर घर लौट रहे जुनेद आलम को नगांव से धिंग की ओर आ रही तेज रफ्तार कार (एएस-02एएन-9704) ने जोरदार ठोकर मार दिया। जिसकी वजह से छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक स्थानीय स्कूल के आठवीं कक्षा में पढ़ता था। मृतक कदमनी पथार का रहने वाला था। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची बटद्रवा पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। दुर्घटना के बाद वाहन का चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर दुर्घटना में शामिल वाहन चालक की तलाश कर रही है।

असम के युवक का शव महाराष्ट्र में बरामद

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले के जलाह के रहने वाले एक युवक का शव महाराष्ट्र के इटारसी के समीप बरामद किए जाने के बाद मृतक के परिजनों ने युवक की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार बाक्सा जिले के जलाह निवासी तरुण नाथ नामक युवक रोजगार के लिए महाराष्ट्र के नासिक गया हुआ था। ट्रेन से वह महाराष्ट्र से बजाली स्थित गेरुआपारा स्थित अपने ससुर के घर आ रहा था। परिजनों को शुक्रवार शाम को पता चला कि इटारसी जंक्शन के समीप रेलवे ट्रैक के किनारे उसका शव बरामद किया गया है। जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजनों ने चलती ट्रेन से युवक को फेंककर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। मृतक के परिजनों ने राज्य सरकार से इस मामले को गंभीरता से लेने की मांग की है। मृतक का पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा कि युवक की मौत कैसे हुई है।

त्रिपुरा : प्रद्योत ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

अगरतला। टिपरा मोथा सुप्रीमो ने प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा ने शनिवार को पुष्पवंत पैलेस पर राज्य सरकार के एकमात्र एकाधिकार को लेकर त्रिपुरा पर्यटन मंत्री सुशांत चौधरी के दावे का विरोध किया। सुशांत चौधरी ने दावा किया था कि विलय समझौता के अनुसार, पुष्पवंत पैलेस एक सरकारी संपत्ति है। बता दें कि पुष्पवंत पैलेस को कुंजाबन पैलेज के नाम से भी जाना जाता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर पोस्ट करते हुए प्रद्योत देबबर्मा ने कहा कि शायद इससे कई लोगों की कुंजाबन से जुड़ी यादें ताजा हो जाएंगी। राजमाता कंचनप्रभा देवी ने राज्य को यह महल एक विशेष उद्देश्य से दिया था। उन्हें इसे एक व्यावसायिक उद्यम में बदलने से पहले परामर्श और विचार करना चाहिए था। इसे मूल रूप से एक सार्वजनिक उद्देश्य के लिए दिया गया था। पर्यटन मंत्री सुशांत चौधरी ने इस मामले में शुक्रवार को पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि मैं किसी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं चाहता हूं। यह महल जो शाही परिवार की संपत्ति थी, विलय समझौता के बाद यह सरकार की संपत्ति बन गई है। समझौते में इस बात का जिक्र नहीं है कि सरकार महल में कोई परियोजना लागू नहीं कर सकती। उन्होंने आगे कहा कि यह सरकार की संपत्ति है और सरकार अपने हिसाब से निर्णय ले सकती है। अभी तक अंतिम फैसला नहीं लिया गया है (महल को पांच सितारा होटल में बदलने का निर्णय)।

No.KED/NIT-66/2023-24/2498 *Dated Kokrajhar, the 29/11/2024*

DETAILS TENDER NOTICE

Sealed tender in prescribed form affixing non-refundable Court Fee Stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight & twenty five paisa) only subsequently to be drawn up in printed "F-2 Form" Documents with validity period of 120 (One hundred twenty) days from the date of receipt or Tenders are invited from the Registered Class-I (A, B, C) & Class-II P.W.D. Electrical Contractor under the Addl. Chief Engineer, (Electrical) Chandmnri, Guwahali-3, Superintending Engineer, PWD Guwahati Electrical Circle, Fancy Bazar, Guwahnti-1 and the Registered Class-III, PWD Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar of 2024-25 and having valid Electrical Contractor License for the following electrical works and will be received in the Office of the undersigned up to 2.30 p.m of 07-12-2024 and will be opened at 3.00p.m of the same date. The Contractors or their authorized agents may be present at the time of opening tender.

Sl. No.	Name of work	Approx. Estimated value	Time of Completion	Cost of Tender document (in Rs.)	Earnest Money
1	Replacement of Servo Max Oil Cooled Servo Control Voltage Stabilizer for 500LPM Oxygen at JSB Civil Hospital, Kajalgaon in Chirang District.	Rs. 4,84,924.00	90 (Ninety) Day	Rs. 200.00	General 2% (P.C.) of Tender value 1% of Tender value in case of SC/ST/BC
2	Servicing of 1500KVA Dry Transformer including Replacement of 11KV CI7PT Relay Coil and 2000A MCCB of Control Panel of JSB Civil Hospital, Kajalgaon, Chirang District.	Rs. 8,58,280.00	120 (One hundred twenty) Days	Rs. 500.00	
3	Providing and Installation of 63KVA Sub-Station to the Office Building of the Joint Director of Health Services, Chirang, Kajalgaon.	Rs. 8,55,107.00	120 (One hundred twenty) Days	Rs. 500.00	

The Contractors shall be received the Tender Documents forms the Office of the Executive Engineer, PWD Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar during working hour by submitting the cost of Tender Document with a non-refundable fees as indicated in the table above, by Indian crossed Postal Order payable to the undersigned up to 3.00p.m. Dated 06-12-2024 on application mentioned registration No. etc. No, application for issue of tender document will be received after the deadline as mentioned.

Sd/-
Executive Engineer, PWD,
Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2024-25/984

पृष्ठ एक का शेष

मानव जीवन के ...

ऊर्जा उत्पादन और संचार तक, विज्ञान नवाचार के इंजन के रूप में कार्य करता है, जो मानव अस्तित्व को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है और एक स्थायी भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने तेजपुर विश्वविद्यालय, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, एनआईपीईआर-गुवाहाटी और विश्वनाथ कृषि महाविद्यालय जैसे शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से तकनीशियनों, उद्यमियों और छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए कौशल विज्ञान केंद्रों की स्थापना की सिफारिश की। उन्होंने जलवायु अध्ययन और अनुकूलन के लिए उत्तर पूर्व संस्थान के निर्माण का प्रस्ताव रखा, जिसका उद्देश्य क्षेत्र की जलवायु कमजोरियों को दूर करना है, साथ ही इसकी समृद्ध जैव विविधता को संरक्षित करना और स्वदेशी ज्ञान को जलवायु अनुकूलन रणनीतियों में एकीकृत करना है। सीएम ने इसरो की एनईटीआरए परियोजना के लिए असम सरकार द्वारा आवंटित 200 बीघा भूमि के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में स्थानिक स्थितिजन्य जागरूकता को बढ़ाना है। उन्होंने पूर्वोत्तर भारत के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए इस पहल के हिस्से के रूप में एक रडार और संचार प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने असम में चौथे सेंटर फॉर मैटेरियल्स फॉर इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी (सी-मेट) की स्थापना का प्रस्ताव रखा, जिसमें हाइड्रोजन उत्पादन, ऊर्जा भंडारण और 2डी सामग्रियों के उपयोग में अग्रणी अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। डॉ. शर्मा ने अपने विश्वास जताया कि इन पहलों में असम और पूर्वोत्तर के लिए परिवर्तनकारी क्षमता है। उन्होंने इन आकांक्षाओं को साकार करने के लिए सभी हितधारकों के समर्थन का आह्वान किया, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक और सामाजिक विकास के साथ-साथ वैज्ञानिक नवाचार को बढ़ावा मिले। आज के कार्यक्रम में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह, मंत्री केशव महंत, अरुणाचल प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री दासंगलु पुल, नीति आयोग के सदस्य डॉ. वी. के. सारस्वत, डीएसटी सचिव प्रो. अभय करंदीकर, डीएसआईआर सचिव एवं सीएसआईआर महानिदेशक डॉ. एन. कलैसेलवी, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. एके सूद, विभा के राष्ट्रीय आयोजन सचिव डॉ. शिव कुमार शर्मा, डीबीटी सचिव डॉ. राजेश गोखले, आईआईटी-जी के निदेशक प्रो. देवेंद्र जालीहाल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सिलीगुड़ी : खाई में ...

से गंगटोक की ओर जा रही थी। दुर्घटना में 6 लोगों ने घटना स्थल पर ही जान गंवा दी, जिनकी शव उद्धार किया गया है। मृतकों की पहचान जारी है। पुलिस घटना के कारण पता लगाने में जुटी है। पुलिस ने बताया कि मृतकों और घायलों की पहचान की जा रही है। मृतकों में एक महिला भी शामिल है। मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है, क्योंकि कई घायल यात्रियों की हालत बहुत गंभीर है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के समय बस में सवार यात्रियों में कुछ पर्यटक भी थे।

मुख्यमंत्री ने की ...

प्रकार राज्य में राजकीय सेवाओं को सर्वशुलभ बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे वह पुलिस वेरिफिकेशन हो या फिर राशन कार्ड या अन्य कोई प्रमाण पत्र, लोग अपने घर बैठे ही मोबाइल के जरिए इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। यदि नागरिकों को समय पर सेवाएं नहीं मिलती है तो वह शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने इसके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ असम विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी, राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री रंजीत कुमार दास समेत कई मंत्री, विधायक, वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य गण्यमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

राज्य सरकार ने दूरस्थ...

किया है, जिन्हें जल्द ही अधिक पहुंच के लिए विभिन्न प्लेटफार्मों पर उपलब्ध कराया जाएगा। पेगु ने बताया कि यह पहल सीखने में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए बनाई गई है, खास तौर पर दूरदराज के इलाकों में। उन्होंने कहा कि अगर कोई शिक्षक अनुपस्थित भी है, तो भी छात्र ई-कक्षा का उपयोग करके अपनी पढ़ाई को सहजता से जारी रख सकते हैं। ऑफलाइन सीखने के लिए वीडियो डाउनलोड भी किए जा सकते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कोई भी छात्र इंटरनेट कनेक्शन न होने पर भी पढ़ाई से वंचित न रहे। भविष्य को देखते हुए, इस पहल की योजना आने वाले महीनों में कक्षा 11 और 12 तक अपनी पहुंच बढ़ाने की है। शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों की लगन और प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से राज्य भर के छात्रों के लिए निरंतर और निर्बाध शिक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। मिशन ज्ञान के ई-कक्षा का शुभारंभ असम के शैक्षिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा को प्रत्येक छात्र के दरवाजे तक पहुंचाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाता है, चाहे वह कहीं भी रहता हो।

अच्छे पड़ोसी बनकर...

किया है। मणिपुर सरकार ने कहा कि उन्हें बेहतर राजनेता बनने की कोशिश करनी चाहिए। अपनी टिप्पणियों से नफरत और विभाजन की आग नहीं भड़कानी चाहिए। मणिपुर सरकार ने कहा कि भारत को म्यामांर, भारत और बांग्लादेश के निकटवर्ती क्षेत्रों को मिलाकर कुकी-चिन ईसाई राष्ट्र बनाने के बड़े एजेंडे से सावधान रहना चाहिए। इससे पहले मणिपुर हिंसा पर मिजोरम और मणिपुर के सांसद आपस में भिड़ गए थे। मिजोरम के सांसद सांसद के। वनलालवेनाने मैतेई और कुकी समुदाय के लिए अलग प्रशासन की वकालत की थी। इस पर मणिपुर के सांसद बिफर गए। उन्होंने मिजोरम के सांसद से कहा कि राज्य के मुद्दों तक ही सीमित रहें लाइन को क्रॉस मत करें। मणिपुर से राज्यसभा सांसद लीशेम्बा सनाजाओबा ने उन्हें (मिजोरम के सासंद) लाइन क्रॉस नहीं करनी चाहिए और हस्तक्षेप बंद करना चाहिए। सनाजाओबा ने ट्वीट कर कहा, मेरे दोस्त, आप लाइन क्रॉस मत करेंराज्य के मुद्दों तक ही सीमित रहें। मणिपुर के मुद्दों में हस्तक्षेप बंद करें और एक अच्छे पड़ोसी बनें। मीजो नेशनल फ्रंट के नेता (एमएनएफ) वनलालवेना ने बीरेन सरकार को तत्काल हटाने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि तत्काल समाधान के लिए राष्ट्रपति शासन लगाना बहुत जरूरी है। मणिपुर में पिछले एक साल से अधिक समय से मणिपुर में हिंसा हो रही है। पिछले साल मई से लेकर अब तक इस हिंसा में 250 से ज्यादा लोगों की जानें जा चुकी हैं।

बांग्लादेश में अगरतला-कोलकाता...

नारे लगाते हुए यात्रियों को जान से मारने की धमकी भी दी। मंत्री सुधांशु चौधरी ने कहा कि बस के भारतीय यात्री मौत के डर में थे। मंत्री सुधांशु ने पूरी घटना की निंदा करते हुए कहा कि इस तरह का अहंकार स्वीकार्य नहीं है। उन सभी से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। वे इस घटना की कड़ी निंदा करते हैं और देश के प्रशासन से बस के भारतीय यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करने का आग्रह करते हैं।

नहीं करेंगे बांग्लादेशी ...

के अन्य अस्पतालों से भी ऐसा ही करने की अपील की है। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हिंदूओं का नरसंहार हो रहा है। शेख हसीना के सत्ता से चले जाने के बाद में बांग्लादेश में हिंदूओं को निर्ममता से कुचला जा रहा है। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर लूटपाट और बर्बरता की जा रही है। हिंदुओं के प्रतिष्ठानों और घरों को टारगेट किया जा रहा है। बांग्लादेश में इस्कॉन के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी से हिंदू समुदाय में और आक्रोश है। चिन्मय दास की गिरफ्तारी पर भारत सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी से हम चिंतित हैं। बांग्लादेश की सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। भारत बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं पर हमलों को लेकर चिंता व्यक्त करता रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद को बताया कि भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा की घटनाओं को गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यकों सहित सभी नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करना बांग्लादेश की प्राथमिक जिम्मेदारी है। शेख हसीना सरकार के जाने और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों में तनाव पैदा हो गया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर कांग्रेस ने चिंता जताई है। कांग्रेस ने बयान जारी कर कहा कि हम बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के सामने आ रहे असुरक्षा के माहौल पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं। इस्कॉन संत की गिरफ्तारी इसका ताजा उदाहरण है।

दिल्ली में केजरीवाल ...

आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया में डालते हुए इसे भाजपा की साजिश बताया है। बता दें कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार की शाम को दिल्ली के ग्रेटर कैलाश में पदयात्रा पर निकले थे। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक भी शामिल थे। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल इस पदयात्रा के दौरान लोगों से हाथ मिलाते हुए आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान एक युवक मिलने के बहाने आया और अचानक से पूर्व सीएम के ऊपर तरल पदार्थ फेंक दिया। इस दौरान अरविंद केजरीवाल के साथ चल रहे लोगों ने आरोपी युवक को दबोच लिया और उसकी जमकर पिटाई की। हालांकि बाद में खुद अरविंद केजरीवाल ने ही आरोपी को भीड़ के चंगुल से मुक्त कराया और साथ चल रही पुलिस टीम को सौंप दिया। इसके बाद पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर थाने पहुंची, जहां उससे पूछताछ हो रही है। इस घटना को लेकर आम आदमी पार्टी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इसमें आम आदमी पार्टी ने भाजपा की साजिश करार देते हुए शीर्ष नेताओं पर हमला बोला है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि यह हमला दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठाने पर किया गया है। आरोप लगाया कि दिल्ली में कानून का राज नहीं, बल्कि गुंडों का राज चल रहा है। देश की राजधानी में जब एक पूर्व सीएम और पूर्व डिप्टी सीएम सुरक्षित नहीं तो आम आदमी का क्या हाल होगा। खुद सीएम केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था चरमरा गई है।

प्रमोद बोड़ो ने बीटीआर ...

करेगी। प्रस्ताव का उद्देश्य बीटीआर के युवाओं में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की गहरी भावना को बढ़ावा देते हुए अधिक से अधिक भागीदारी को प्रेरित करना है। रक्षा मंत्री ने क्षेत्र के युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए बीटीआर सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना की और प्रस्ताव पर उचित विचार करने का आश्वासन दिया। यह बैठक राष्ट्रीय रक्षा पहलों के साथ क्षेत्र के एकीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अब इंसानों की ...

और सुखाने के लिए डिजाइन किया गया है। मशीन में छोटे-छोटे बुलबुले बनते हैं, जो बेहतर सफाई में मदद करते हैं। यह तकनीक न केवल हाइजीन के लिए क्रांतिकारी है, बल्कि इसमें कई स्वास्थ्य लाभ भी जुड़े हुए हैं। ह्यूमन वाशिंग मशीन में खास सेंसर लगाए गए हैं, जो व्यक्ति की पीठ को स्कैन करके तनाव और थकान का पता लगा सकते हैं। इससे न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी राहत मिलती है। मशीन का उद्देश्य साफ-सफाई के साथ-साथ उपयोगकर्ता को आराम और तरोताजा महसूस कराना है। यह मशीन एक पॉड की तरह दिखती है, और इसे विकसित करने वाली कंपनी बाथरूम से संबंधित उत्पादों के लिए जानी जाती है। कंपनी ने इस मशीन को जल्द ही बाजार में लॉन्च करने की योजना बनाई है।

चुनाव में कोई गडबड़ी ...

और मतदान प्रतिशत को लेकर सवाल खड़े किए गए थे। कांग्रेस कार्यसमिति की शुक्रवार को हुई बैठक में भी महाराष्ट्र चुनाव में हेर-फेर का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग के पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करने की बात कही गई हरियाणा के बाद महाराष्ट्र चुनाव नतीजों को लेकर उठाए गए सवालों पर आयोग ने अपने जवाब में कहा है कि मतदान के दौरान सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदान प्रतिशत और कुल वोटरों की संख्या की जानकारी लगातार दी जाती रहती है। मगर इसके बाद भी अगर कुछ और शिकायतें और जानकारी हैं तो आयोग उनको विस्तार से सुनने का तैयार है। आयोग ने कहा कि वह स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के लिए सदैव राजनीतिक दलों के सुझाव और शिकायतों का स्वागत करता है। खास बात यह है कि महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों के बाद शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने चुनाव में गंभीर गड़बड़ी का आरोप लगाया था। साथ ही ईवीएम में हेर-फेर की भी शिकायत की थी। कांग्रेस की ओर से लगाए गए दो प्रमुख आरोपों का शनिवार को चुनाव आयोग ने विस्तार से जवाब दिया। इसमें पहला आरोप मतदान प्रतिशत को लेकर था। जिसमें कांग्रेस ने मतदान के दिन पांच बजे और रात 11 बजे के आंकड़े में भारी अंतर की शिकायत की है। इस पर आयोग ने सफाई दी कि वोटिंग प्रतिशत की एक तय प्रक्रिया है, उसी का पालन मतदान के दौरान किया जाता है। जैसे-जैसे मतदान के आंकड़े आते हैं वैसे ही उन्हें पूर्व के आंकड़ों में जोड़ दिया जाता है। कांग्रेस ने अपने ज्ञापन में दूसरी अहम शिकायत मतदाता सूची को लेकर कि है जिस पर आयोग ने कहा है कि यह प्रक्रिया प्रत्येक पार्टी को जानकारी देकर अपनाई जाती है। सभी पार्टियां इसकी जांच परख भी करती हैं। कांग्रेस ने महाराष्ट्र चुनाव में शाम पांच बजे के बाद वोटिंग प्रतिशत में भारी उछाल के साथ इवीएम से जुड़ी शिकायतों के साथ शुक्रवार को चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी शिकायतें विस्तृत तौर पर रखने के लिए आयोग से मिलने का वक्त मांगा था। चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता से समझौता करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने के लिए देशभर में जनजागरण अभियान चलाने का एलान भी किया है।

बुशरा बीबी अचानक ...

वारंट जारी कर दिया है। लाहौर हाई कोर्ट के जस्टिस नासिर जावेद राणा ने बुशरा बीबी की पेशी से छूट की याचिका खारिज कर दी। इसके बाद, एनएबी ने रावलपिंडी और पेशावर में कई स्थानों पर छापेमारी की। हालांकि, अब तक बुशरा बीबी का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। बुशरा बीबी और इमरान खान पर ब्रिटेन की नेशनल क्राइम एजेंसी द्वारा लौटाई गई 19 करोड़ पाउंड की रकम के दुरुपयोग का आरोप है। यह धनराशि पाकिस्तान के राष्ट्रीय खजाने में जमा होनी थी, लेकिन इसे अल-कादिर ट्रस्ट के तहत निजी लाभ के लिए उपयोग किया गया। बुशरा बीबी पर आरोप है कि उन्होंने झेलम में अल-कादिर विश्वविद्यालय के लिए 458 कनाल भूमि अधिग्रहण में गड़बड़ी की। इस मामले में, बुशरा और इमरान दोनों ट्रस्टी के रूप में शामिल हैं। 23 नवंबर को एनएबी की टीम पेशावर में बुशरा बीबी को गिरफ्तार करने पहुंची थी। जब टीम ने उनके निवास पर गिरफ्तारी वारंट दिखाया, तो वह वहां मौजूद नहीं थीं। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि बुशरा बीबी का पता लगाने के लिए छापेमारी जारी है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत, जहां इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ सत्ता में है, में बुशरा बीबी के छिपे होने की आशंका जताई जा रही है। विपक्षी दल इस मामले को लेकर इमरान खान और उनकी पार्टी पर निशाना साध रहे हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ...

हालांकि मधुमक्खियों ने करीब एक दर्जन लोगों को काट खाया है। घटना की वजह से ज्योतिरादित्य सिंधिया को बिना उद्घाटन किए वहां से लौटना पड़ा। घटना शनिवार दोपहर साढ़े तीन बजे के करीब की है। केंद्रीय मंत्री माधव नेशनल पार्क में चांदपाठा झील पर ड्रेजिंग मशीन का उद्घाटन करने पहुंचे थे। उनके साथ ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, शिवपुरी के विधायक देवेंद्र जैन, जिला अध्यक्ष राजू बाथम सहित कई भाजपा के नेता थे। उद्घाटन के लिए चांदपाठा झील के अंदर पानी पर बने प्लेटफार्म पर जाना था, जिसके लिए सिर्फ ज्योतिरादित्य सिंधिया और ऊर्जा मंत्री को अनुमति थी। बाकी लोगों को सेलिंग क्लब पर ही ऊपर रोक दिया गया था। इसी दौरान मधुमक्खियों ने उनपर हमला कर दिया। सिंधिया के सुरक्षाकर्मियों ने तेजी से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला और मौके से रवाना कर दिया। जानकारी के अनुसार, इस हमले में करीब एक दर्जन लोगों को मधुमक्खियों ने काटा है, जिससे अफरा-तफरी मच गई। हमले के चलते बिना उद्घाटन किए ही सिंधिया को कार्यक्रम स्थल से लौटना पड़ा। हमले में कई लोगों को हल्की चोटें आई हैं, जिनका मौके पर प्राथमिक उपचार किया गया। यह घटना उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक तैयारियों में कमी की ओर इशारा करती है। सुरक्षा में चूक को लेकर स्थानीय प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं। उद्घाटन समारोह स्थगित कर दिया गया है, और घटना की जांच की जा रही है।

मंत्री सिंघल ने *मिशन बाढ़ मुक्त गुवाहाटी* की बैठक में लिया हिस्सा

बैठक में डिब्रूगढ़ शहर में रुके हुए पानी की निकासी के लिए प्रस्तावित सीवरेज खुदाई पर भी की चर्चा

गुवाहाटी (हिंस)। आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल की अध्यक्षता में और मुख्य सचिव रवि कोटा की मौजूदगी में शनिवार को राजधानी के लोकसेवा भवन में मिशन बाढ़ मुक्त गुवाहाटी की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में अगले मानसून सीजन से पहले बाढ़ मुक्त गुवाहाटी मिशन के तहत विभिन्न विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में डिब्रूगढ़ शहर में कृत्रिम बाढ़ की समस्या के समाधान के लिए प्रस्तावित जल निकासी मास्टरप्लान पर भी चर्चा की गई। मंत्री ने हाल ही में कामरूप (महानगर) जिले के आयुक्त की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन किया था, जो गुवाहाटी शहर में कृत्रिम बाढ़ मुक्ति के संबंध में कुछ नागरिकों द्वारा विभिन्न समय पर सरकार को प्रस्तुत किए गए बहुमूल्य सुझावों का विश्लेषण करेगी। समिति को 15 दिनों की अवधि के भीतर नागरिकों से 275 सुझाव प्राप्त हुए। जिला आयुक्त सुमित सत्तावन ने बैठक में क्रियान्वयन योग्य और प्रभावी सिफारिशों की जानकारी दी। बैठक में गुवाहाटी शहर के रुक्मिणीगांव, जुरीपार, वायरलेस-बशिष्ठपुर और हातीगांव जैसे कृत्रिम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से पानी निकालने के तकनीकी तरीकों पर भी चर्चा हुई। मंत्री सिंघल के निर्देश पर शहरी और ग्रामीण नियोजन निदेशालय के अधिकारियों ने शहर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की सड़कों, नालियों और ढलानों के लेआउट का विश्लेषण करने के लिए उपग्रह प्रौद्योगिकी का उपयोग करके इसी बीच एक सर्वेक्षण पूरा कर लिया है। इसे प्रस्तुत किया गया। सभी उपलब्ध आंकड़ों और रिपोर्टों का विश्लेषण करने के बाद, मंत्री सिंघल ने अभियान के भागीदारों को बाढ़ मुक्त गुवाहाटी मिशन के तहत अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों कार्य योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने अगले मानसून से पहले अगले तीन से चार महीनों के भीतर लागू किए जाने वाले कई अल्पकालिक उपाय करने का निर्देश दिया। उन्होंने भरलू-बाहिनी-लखीमीजान और शहर के सभी सीवरों के कीचड़ निपटान के लिए जिम्मेदार विभागों को निर्धारित समय के भीतर काम पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने सीवरों से एकत्र कचरे को स्थानांतरित करने और इसे सड़कों पर न फेंकने के लिए तत्काल उपाय करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को तकनीकी अध्ययन के परिणामों के अनुसार जुरीपार क्षेत्र में सीवरेज के निर्माण और हातीगांव क्षेत्र में सीवरेज स्तर में सुधार के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने रुक्मिणीगांव-बशिष्ठपुर वृहत्तर क्षेत्र में स्थिर पानी की निकासी के लिए उचित वैज्ञानिक उपायों के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण विभाग, शहरी और ग्रामीण नियोजन निदेशालय, गुवाहाटी नगर निगम और गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों को बशिष्ठ चरिआली में निधि भवन के पास सीवरेज लेआउट में सुधार के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर विस्तृत अध्ययन करने के लिए कहा। उन्होंने संयुक्त रूप से क्षेत्र अध्ययन की सिफारिश की। बैठक में पिछले मानसून के मौसम में डिब्रूगढ़ शहर में कृत्रिम बाढ़ की अप्रत्याशित स्थिति की भी समीक्षा की गई और शहर में स्थिर पानी की निकासी के लिए शहरी और ग्रामीण नियोजन निदेशालय द्वारा अनुशंसित प्रस्तावित जल निकासी पर भी चर्चा की गई। बैठक में मुरलीधर जालान बस स्टैंड से सेसा नदी तक और मोहनबाड़ी हवाई अड्डे के पास से सेसा नदी तक मंत्री सिंघल ने इस संबंध में अधिकारियों को कुछ महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नारायण डेका, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव ज्ञानेंद्रन देब त्रिपाठी, आवास एवं शहरी मामलों की आयुक्त-सचिव कविता पद्मनाभन, सचिव पवित्रराम खाउंड, लोक निर्माण (सड़क) आयुक्त एवं विशेष सचिव चंदन शर्मा, गुवाहाटी नगर निगम की आयुक्त मेघनिधि दहल, गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनबामुथन एमपी और कामरूप (महानगर) जिला आयुक्त सुमित सत्तावन उपस्थित रहे। इसके बाद सिंघल ने जनता भवन स्थित अपने कार्यालय के बैठक कक्ष में सिंचाई विभाग, आवास एवं शहरी मामलों के विभाग द्वारा क्रियान्वित विभिन्न परियोजनाओं जैसे गुवाहाटी नगर निगम, गुवाहाटी महानगर विकास प्राधिकरण, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) और मिशन अमृत के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में सिंचाई विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सैयद अब्बासी, आवास एवं शहरी मामलों की आयुक्त-सचिव कविता पद्मनाभन, दोनों विभागों के सचिव पवित्रराम खाउंड और संबंधित विभागों के शीर्ष अधिकारी उपस्थित रहे।

हेरोइन के साथ दो ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की दिसपुर पुलिस ने हेरोइन की तस्करी में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि गुप्त सुचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एसीपी, दिसपुर के नेतृत्व में दिसपुर पुलिस की एक टीम ने दोनों ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मोहम्मद यूनुस अली (26, बरपेटा) और जब्बार खान (31, बारपेटा) के रुप में की गई है। गरचुक थाना अंतर्गत बोरागांव से गिरफ्तार दोनों तस्करों के पास ने 37.12 ग्राम वजन की हेरोइन बरामद की गयी। हेरोइन के अलावा पुलिस ने अभियान के दौरान गिरफ्तार दोनों तस्करों के पास से तीन साबुनदानी, एक बाइक (एएस-15एए-9968) और एक स्कूटी (एएस-01एफडी-8824) जब्त किया। पकड़े गए व्यक्तियों के साथ वस्तुओं को दिसपुर थाने लाया गया। इस संबंध में एक मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है।

गुवाहाटी में ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र में स्पेशल टास्क फोर्स असम (एसटीएफ) की टीम ने अभियान चलाकर हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। एसटीएफ ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर वशिष्ठ थाना क्षेत्र के कोईनाधरा इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान टाटा मैजिक वाहन (एएस-25एफसी-5302) के साथ ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान शरीफुल इस्लाम (40, हाजो) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपित के पास से 19 प्लास्टिक के छोटे-छोटे शीशियों में भरकर रख गए 25.34 ग्राम हेरोइन, 1850 रुपए और एक मोबाइल फोन जब्त किये गये। गिरफ्तार आरोपित को एसटीएफ ने स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत ड्रग्स तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

जोराबाट के होटल में युवक ने की आत्महत्या

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के जोराबाट स्थित चोपड़ा होटल एंड लॉज में एक युवक द्वारा आत्महत्या किये जाने को लेकर सनसनी फैल गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि मृतक की पहचान हैलाकांदी के मथिलाल घटवार के रूप में हुई है। घटना के विवरण के अनुसार, युवक ने 27 नवंबर को होटल में एक कमरा लिया था। रोज की तरह शनिवार सुबह 10 बजे होटल का कर्मचारी कमरा साफ करने पहुंचा। लेकिन, पहले तो कमरा खोला नहीं गया। दोपहर दो बजे फिर से होटल स्टाफ कमरे का दरवाजा खटखटाने पहुंचा, लेकिन कमरा फिर भी नहीं खुला। बाद में, जब होटल के कर्मचारियों ने पास की एक इमारत से कमरे में झांका, तो युवक को फंदे से लटका पाया। सूचना पाकर जोराबाट पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को बरामद कर जांच शुरू कर दी है।

चालक की पिटाई के आरोपी दो पुलिस अधिकारी निलंबित

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी में एक गाड़ी चालक की पिटाई के आरोप में दो पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि हैलाकांदी जिले के पंचग्राम थाना के प्रभारी पुलिस अधिकारी और एएसआई को सेवा से निलंबित किया गया है। प्रभारी पुलिस अधिकारी कल्पज्योति बोरा और एएसआई दिलोवर हुसैन लश्कर को सेवा से निलंबित कर दिया गया है। हैलाकांदी के पुलिस अधीक्षक के आदेश पर दोनों को निलंबित किया गया है। हैलाकांदी पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में दो दलालों को इसी बीच गिरफ्तार कर लिया है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले मोइनुल इस्लाम लश्कर नामक एक चालक को थाने बुलाकर रात में एएसआई दिलोवर हुसैन लश्कर ने उसकी पिटाई की थी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड करने को लेकर मोइनुल इस्लाम लश्कर को पंचग्राम पुलिस ने बुलाया और पीटा। मोइनुल इस्लाम लश्कर को 20,000 रुपए लेकर थाना से छोड़ा गया था।

तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से छात्र की मौत

नगांव (हिंस)। बटद्रवा के कदमनि में हुए एक भीषण सड़क हादसे में स्कूल से घर जा रहे एक छात्र की मौत हो गई। घटना के विवरण के अनुसार, छात्र को एक लक्जरी वाहन (एएस- 02एएन- 9744) ने जोरदार ठोकर मार दिया। वाहन नगांव से धिंग की ओर तेज गति से जा रहा था। मृतक छात्र की पहचान कदमनि पथार माध्यमिक विद्यालय के आठवीं कक्षा के छात्र जुनैद आलम के रूप में हुई है। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए नगांव भेज दिया। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

कोकराझाड़ में महिला-केंद्रित योजनाओं पर जिला स्तरीय परामर्श बैठक आयोजित

कोकराझाड़ (हिंस)। महिलाओं से संबंधित योजनाओं के कार्यान्वयन पर आज जिला स्तरीय परामर्श बैठक का आयोजन कोकराझाड़ स्थित डीसी कांफ्रेंस हॉल में किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए आयुक्त (डीसी) मसांडा पर्टिन ने लैंगिक आधारित हिंसा के बदलते रूपों पर प्रकाश डाला, जो अब साइबरबुलिंग, फोटो मॉर्फिंग और सोशल मीडिया पर महिलाओं के उत्पीड़न जैसे सूक्ष्म तरीकों तक फैल चुका है। उन्होंने इन सूक्ष्म आक्रामकताओं की पहचान करने और उन्हें सक्रिय रूप से हल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसके साथ ही डीसी ने महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें प्रतिकूल परिस्थितियों से बाहर निकालने के लिए मजबूत कानूनी सुरक्षा उपायों, सरकारी पहलों और आर्थिक व शैक्षिक सहायता प्रणाली की अहमियत को रेखांकित किया। बैठक के दौरान मुख्य चर्चाओं में घरेलू हिंसा अधिनियम, पीओएसएच अधिनियम, शी-बॉक्स पोर्टल, आईसीसी और बीएनएस, बीएनएसएस और बीएसए के तहत कानूनी प्रावधान शामिल थे, जिनका उद्देश्य महिलाओं के कल्याण को बढ़ावा देना था। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय जेंडर कैंपेन 3.0, जेंडर रिसोर्स सेंटर और मिशन शक्ति योजनाओं के तहत पहलों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक का समापन सभी प्रतिभागियों द्वारा लैंगिक आधारित हिंसा को समाप्त करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने की शपथ के साथ हुआ। यह कार्यक्रम *संकल्प: हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ विमेन, कोकराझाड़* द्वारा आयोजित किया गया था, जो *लैंगिक आधारित हिंसा समाप्त करने के लिए चल रहे 16 दिनों की सक्रियता* (25 नवंबर से 10 दिसंबर, 2024) का हिस्सा है। इस अवसर पर प्रमुख प्रतिभागियों में एडीसी कविता डेका, गृह विभाग, एसएसए, एनएचएम, पीएनआरडी, एएसआरएलएम, सीडीपीओ, शक्ति सदन के प्रतिनिधि और विभिन्न सिविल सोसाइटी संगठनों के सदस्य शामिल थे।

प्रेमी के साथ मिलकर की पति की हत्या

बाक्सा (हिंस)। बाक्सा जिले के सालबाड़ी इलाके में प्रेमी के साथ मिलकर एक महिला ने अपने पति को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि जिले के गोवर्धन पुलिस थाना अंतर्गत कांटाझाड़ा गांव में महिला ने पति बाबूलाल हरिजन की अपने प्रेमी के साथ मिलकर बड़ी निर्मम तरीके से हत्या कर दी। हत्या के मामले में मृतक के भाई तपन रविदास द्वारा गोवर्धन थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने राणा कुमार राम और मंजू हरिजन को गिरफ्तार किया है। शिमलागुड़ी इलाके में किराए के मकान में रहने वाले प्रेमी के साथ मिलकर बाबूलाल हरिजन की हत्या कर राणा कुमार राम बेंगलुरू निकल गया। असम पुलिस ने उसे बेंगलुरू पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया है। पुलिस पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर हत्या के मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के मौके पर द हंस फाउंडेशन का स्वास्थ्य में बदलाव नामक परियोजना शुरू

रंगिया (विभास)। सन् 2009 में स्थापित एक सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट द हंस फाउंडेशन (टीएचएफ) द्वारा *सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य में बदलाव* नामक एक परियोजना 1 सितंबर, 2024 से रंगिया, कामरूप (असम) में शुरू की गई है। यह परियोजना मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और मिर्गी की स्थिति के लिए सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं और चिकित्सा उपचार प्रदान करके मानसिक स्वास्थ्य और समावेशन को बढ़ाती है इसके अलावा पहचाने गए विकलांगता वाले लोगों को शैक्षिक इनपुट भी प्रदान करती है। समुदाय के सदस्यों के बीच जागरूकता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए टीएचएफ ने रंगिया के विभिन्न स्थानीय स्कूलों में पोस्टर-मेकिंग और स्लोगन-मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित कीं जोकि आगामी × दिसंबर, 2024 को विश्व स्तर पर मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस समारोह का एक हिस्सा थी। द हंस फाउंडेशन ने 28 नवंबर से लेकर ×0 नवंबर तक रंगिया में अपनी परियोजना *सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य में बदलाव* के माध्यम से कई गतिविधियों का आयोजन किया। यह आयोजन आशादीप, गुवाहाटी से टीएचएफ परियोजना सलाहकार प्रियंका गोस्वामी और परियोजना प्रबंधक मौसुमी बोरा के नेतृत्व में तथा एक सामाजिक कार्यकर्ता और सामुदायिक स्वयंसेवकों की एक मजबूत टीम के मार्गदर्शन में किया गया। वहीं रंगिया महाविद्यालय के सहयोग से आगामी × दिसम्बर, 2024 को महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में पूर्ण रूप से यह कार्यक्रम मनाया जाएगा जिसमें कार्यक्रम में सम्मानित गणमान्य व्यक्ति और सरकारी अधिकारी मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि द हंस फाउंडेशन भारत की सीमांत पर रहने वाले और वंचित समुदायों को सशक्तिकरण के माध्यम से सभी के लिए जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाकर एक समतामूलक समाज बनाने की दिशा में काम करता है। द हंस फाउंडेशन देश के ग्रामीण और अविकसित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, विकलांगता और आपदा राहत हस्तक्षेपों पर काम करता है।

आलोपति स्थित इकरा नेशनल एकाडमी में कंप्यूटर लैब का उद्घाटन

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा शिक्षा खंड के अंतर्गत आलोपाती चर में एक प्रमुख निजी अंग्रेजी माध्यम स्कूल, इकरा नेशनल एकेडमी में आज कंप्यूटर शिक्षा के लिए एक प्रयोगशाला का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर स्कूल परिसर में स्कूल की प्रबंध निदेशक आशिक इकबाल की अध्यक्षता में लैब उद्घाटन बैठक हुई। डॉ. शमसुल आलम सरोवर्दी, प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, लुईतपरिया कॉलेज ने बैठक में भाषण दिया। बैठक के अंत में प्रबंध निदेशक आशिक इकबाल ने लाल रिबन काटकर कंप्यूटर एजुकेशन लैब का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ. शमसुल आलम सरोर्दी, अमीनुल इस्लाम, बहारुल इस्लाम, इकरा नेशनल एकेडमी के अध्यक्ष मुकुल उद्दीन, संवाददाता साज्जाद कबीर और स्कूल के छात्र और शिक्षक शिक्षकों के कुछ अभिभावक उपस्थित थे। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि स्कूल अधिकारियों द्वारा उठाए गए इस तरह के कदम को शिक्षा के प्रति जागरूक समुदाय द्वारा बहुत सराहा गया है।

मिकिरभेटा में आग में सात दुकानें जलकर राख

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के मिकिरभेटा थाना क्षेत्र के बागरीबाड़ी तिनाली में लगी भीषण आग में सात दुकानें जलकर राख हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग शनिवार दोपहर करीब एक बजकर 15 मिनट पर लगी। आग कैसे लगी इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। आग में सात दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। दुकानदारों के मुताबिक आग में 20 लाख रुपए से ज्यादा का सामान जल गया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिशें की, लेकिन उसी समय एक होटल में दो सिलिंडरों के फटने से आग और भड़क गई, जिस कारण लोग आग बुझाने में नाकाम रहे। बाद में दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत से आग बुझाई और बाकी दुकानों को बचा लिया। इसी बीच मिकिरभेटा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित दुकानदारों ने मोरीगांव के जिला आयुक्त देबाशीष शर्मा से उनकी मदद करने की अपील की है।

गुवाहाटी के 56 स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य सेवा महोत्सव का आयोजन

गुवाहाटी (हिंस)। असम के साथ कामरूप (महानगर) जिले के 56 स्वास्थ्य केंद्रों पर तीसरी बार *स्वास्थ्य सेवा महोत्सव* का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव में स्वास्थ्य केंद्रों के बुनियादी ढांचे, मानव संसाधन और स्वास्थ्य सेवा वितरण की गुणवत्ता के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। शहर के एक जिला अस्पताल, एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, दो एफआरयू, 47 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और पांच उप-स्वास्थ्य केंद्रों-आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मूल्यांकन किया जाएगा। एक प्रशासनिक अधिकारी और गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज के एक डॉक्टर बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण और मूल्यांकन करेंगे। एक शीर्ष प्रशासनिक अधिकारी बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में स्वास्थ्य केंद्रों का मूल्यांकन करेंगे। राज्य भर में पहली बार अप्रैल 2023 में स्वास्थ्य सेवा महोत्सव का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य सेवा महोत्सव के पहले चरण में कामरूप महानगर जिले के 49 स्वास्थ्य केंद्रों को शामिल किया गया। इनमें से नौ अस्पतालों को ए ग्रेड, 26 को बी ग्रेड और 14 को सी ग्रेड मिला। नवंबर 2023 में जिले के कुल 51 स्वास्थ्य केंद्रों में दूसरी बार स्वास्थ्य सेवा महोत्सव का आयोजन किया गया था। कुल 39 अस्पतालों को ए ग्रेड, 11 को बी ग्रेड और 1 को सी ग्रेड मिला था। जिला आयुक्त कार्यालय में शनिवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में आयुक्त सुमित सत्तावन ने कहा कि शहर की स्वास्थ्य सेवा समिति ने यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय किए हैं कि तीसरे स्वास्थ्य सेवा महोत्सव का मूल्यांकन सुचारू रूप से हो और जनता को इसका लाभ मिल सके।

मारवाड़ी अस्पताल ने मधुमेह जागरूकता के लिए वॉकथॉन का आयोजन किया

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी अस्पताल ने मधुमेह जागरूकता माह के अवसर पर 30 नवंबर को एक वॉकथॉन का आयोजन किया। यह आयोजनकेदार रोड बोटैनिकल पार्क से सुबह 7 बजे शुरू हुआ। वॉकथॉन का शुभारंभ मारवाड़ी अस्पताल के अध्यक्ष शरत कुमार जैन ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उनके साथ मारवाड़ी हॉस्पिटल के उपाध्यक्ष कैलाश लोहिया, सचिव किशोर साबू एवं लायंस क्लब आप गुवाहाटी के अध्यक्ष महेश शर्मा, लायंस ग्रेटर की अध्यक्षा ज्योति अग्रवाल और लायंस कमरूपा की अध्यक्षा नितु बखरेडिया उपस्थित थी।इस वॉकथॉन का उद्देश्य समाज में मधुमेह जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को उजागर करना था। बड़ी संख्या में नागरिकों, चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञों, और युवाओं ने इस वॉकथॉन में हिस्सा लिया। इस अवसर पर डॉक्टर कुकरेजा, डॉक्टर सुधा अग्रवाल, मारवाड़ी हॉस्पिटल के निर्देशक डॉक्टर जेपी शर्मा, मारवाड़ी हॉस्पिटल के अधीक्षक रोहित उपाध्याय, लियो क्लब गुवाहाटी गर्ल्स की सदस्योंओ के अलावा मारवाड़ी हॉस्पिटल के डॉक्टर, नर्स व कर्मचारियों सहित 200 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता का संदेश फैलाते हुए जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। यह वॉकथन रैली केदार रोड होती हुई जेल रोड, एमएस रोड, आठगांव सती जयमती रोड होते हुए मारवाड़ी हॉस्पिटल में समापन हुई। जहां 60 से अधिक डॉक्टर और नर्सों के बीच एक डायबिटीज सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसे डॉक्टर कुकरेजा ने संबोधित करते हुए डायबिटीज के निदान के बारे में कई जानकारियां दी। कार्यक्रम के दौरान मधुमेह से बचाव के उपाय, नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण करवाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। मारवाड़ी अस्पताल के चिकित्सकों ने भी मधुमेह से जुड़े मिथकों को दूर करते हुए इसके नियंत्रण और रोकथाम के लिए उपयोगी जानकारी साझा की।इस अवसर पर अध्यक्ष शरत कुमार जैन ने कहा कि मधुमेह केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि हमारे समाज के लिए एक चुनौती है। ऐसे कार्यक्रम लोगों को इसके प्रति जागरूक बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। मारवाड़ी अस्पताल ने इस वॉकथॉन के माध्यम से स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर साबित किया है। इस आयोजन ने समाज में स्वास्थ्य और फिटनेस को प्राथमिकता देने के संदेश को मजबूती से स्थापित किया। डायबिटीज के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से ही वॉकथान, सेमिनार, स्वास्थ्य जांच शिविर जैसे कार्यक्रम अस्पताल के सौजन्य से आयोजित किये जा रहे हैं। इस अवसर पर मारवाड़ी हॉस्पिटलों के चिकित्सको द्वारा नि:शुल्क मधुमेह जांच, उच्च रक्तचाप जांच, हीमोग्लोबिन जांच शिविर का आयोजन भी किया गया। जिसमें 200 से भी अधिक लोगों ने अपना परीक्षण कराया।

संपादकीय

क्या 1971 याद नहीं

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर कातिलाना हमले और उनके मंदिरों को तोडऩे, आग लगा देने की घटनाओं पर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर संसद के दोनों सदनों में वक्तव्य देंगे। विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के सामने भी मंत्रालय बांग्लादेश की घटनाओं का खुलासा करेगा। क्या बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात और हिंदुओं पर किए जा रहे अत्याचारों पर भारत सरकार का यह रुख ही पर्याप्त है? क्या प्रधानमंत्री मोदी को वहां की अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस से सख्त लहजे में बात नहीं करनी चाहिए? क्या बांग्लादेश को 1971 की याद नहीं दिलानी चाहिए? हम नहीं जानते कि कूटनीति क्या कहती है, लेकिन हम वहां के हिंदुओं के अस्तित्व को लेकर चिंतित हैं।

> विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के सामने भी मंत्रालय बांग्लादेश की घटनाओं का खुलासा करेगा। क्या बांग्लादेश की कट्टरपंथी जमात और हिंदुओं पर किए जा रहे अत्याचारों पर भारत सरकार का यह रुख ही पर्याप्त है? क्या प्रधानमंत्री मोदी को वहां की अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस से सख्त लहजे में बात नहीं करनी चाहिए? क्या बांग्लादेश को 1971 की याद नहीं दिलानी चाहिए? हम नहीं जानते कि कूटनीति क्या कहती है, लेकिन हम वहां के हिंदुओं के अस्तित्व को लेकर चिंतित हैं। बांग्ला हिंदू भी बुनियादी तौर पर 'भारतीय' ही हैं। चिंतित सरोकार तो यह है कि यूनुस मौजूदा घटनाओं और हत्याओं को 'हिंदू अत्याचार' मानते ही नहीं! बांग्लादेश की सडक़ों पर जो बेखौफ भीड़ दिखाई देती है, हिंदुओं को मारने-काटने के जो नारे बुलंद किए जा रहे हैं, रात में हिंदुओं के घरों में घुसकर सेना और पुलिस जो यातनाएं दे रही हैं, अपहरण-धर्मांतरण किए जा रहे हैं

बांग्ला हिंदू भी बुनियादी तौर पर 'भारतीय' ही हैं। चिंतित सरोकार तो यह है कि यूनुस मौजूदा घटनाओं और हत्याओं को 'हिंदू अत्याचार' मानते ही नहीं! बांग्लादेश की सडक़ों पर जो बेखौफ भीड़ दिखाई देती है, हिंदुओं को मारने-काटने के जो नारे बुलंद किए जा रहे हैं, रात में हिंदुओं के घरों में घुसकर सेना और पुलिस जो यातनाएं दे रही हैं, अपहरण-धर्मांतरण किए जा रहे हैं, मंदिरों में देवी-देवताओं की जिस तरह प्रतिमाएं खंडित की जा रही हैं, क्या वे खुद हिंदू ही कर रहे हैं? भारत के हिंदू हों या बांग्लादेश में बसे हिंदू हों, सभी सनातनी संस्कृति के आस्थावान समुदाय हैं। उनके जीवन और धार्मिक स्वतंत्रता की सुरक्षा करना प्रधानमंत्री मोदी का ही समान दायित्व है। यह बांग्लादेश का आंतरिक मामला नहीं है। विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह का राज्यसभा में दिया यह बयान बिल्कुल गलत है कि हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की रक्षा करना वहां की सरकार की जिम्मेदारी है। वहां के कट्टरपंथी तो बांग्लादेश को हिंदू-मुक्त करना चाहते हैं। वे ऐसे ऐलान भी करते रहे हैं। स्थानीय विश्वविद्यालयों से हिंदू प्रोफेसरों को जबरन निकाला जाता रहा है। वहां की सरकार खामोश, कन्नी काट कर बैठी रहेगी, तो क्या भारत सरकार भी तटस्थ बनी रहेगी? शायद बांग्लादेश की मौजूदा पीढ़ी को याद नहीं है कि 1971 में पूर्वी पाकिस्तान को बांग्लादेश बनाने में भारत का निर्णायक योगदान था। यदि भारतीय सेना तत्कालीन 'मुक्तिवाहिनी' के आंदोलन के साथ न जुड़ती, तो शायद बांग्लादेश ही न बनता! बेखौफ, बेलगाम घूमती कट्टरपंथी जमात को यह इतिहास पढ़ाया जाना चाहिए। बांग्लादेश की मौजूदा पीढ़ी को यह भी याद नहीं होगा कि जब 'बांग्लादेश' बन रहा था, तब चारों ओर भुखमरी, गरीबी के ही हालात थे। उस दौर में 'इस्कॉन' ने ही रोजाना लाखों लोगों को भोजन मुहैया कराया था। भारत में भी करीब 12,000 बांग्लादेशियों को हर रोज खाना खिलाया गया था। आज भी बांग्लादेश में 'इस्कॉन' 77 मंदिरों का संचालन कर रहा है और 75,000 से अधिक उसके अनुयायी हैं। तब प्रख्यात सितारवादक पंडित रवि शंकर ने एक अन्य विदेशी संगीतकार के साथ मिल कर न्यूयॉर्क में कंसर्ट किया था, जिससे बांग्लादेश के लिए 100 करोड़ रुपए जुटाए गए थे। क्या बांग्लादेशी उस एहसान की कीमत चुका सकते हैं? क्या उसी 'इस्कॉन' को हिंदू-विरोधी जमात 'आतंकवादी' करार देगी? यह तो संतोष की बात है और उसके लिए अदालत के नीर-क्षीर विवेक का आभार व्यक्त करना चाहिए कि ढाका उच्च न्यायालय ने 'इस्कॉन' पर प्रतिबंध लगाने से इंकार कर दिया और हुकूमत समर्थित याचिका को खारिज कर दिया। बहरहाल, हिंदुओं की सुरक्षा की सबसे अधिक जिम्मेदारी भारत सरकार की बनती है।

राहुल-प्रियंका गांधी की कांग्रेस की रीति नीति देखता हूँ तो इनकी राजनीतिक जमींदारी के हश्र को महसूस भी करता हूँ

जीत और गठबंधन की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी कांग्रेस?

कमलेश पांडे

> 'जीत' और 'गठबंधन' की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी, यह एक यक्ष प्रश्न है? आखिर कमजोर 'सियासी बैशाखियों' के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है! वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की वैशाखी ढूंढ़ती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो मुझे इसके रणनीतिकारों पर तरस आती है। ऐसा इसलिए कि मैंने भू-जमींदारी देखी है, जहां पर लोग अपनी जमीनें ठेके या बंटाईदारी पर देकर अनाज और पैसे दोनों लेते हैं।

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका देशव्यापी जनाधार है। लेकिन वह 'जीत' और 'गठबंधन' की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी, यह एक यक्ष प्रश्न है? आखिर कमजोर 'सियासी बैशाखियों' के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है! वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की वैशाखी ढूंढ़ती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो मुझे इसके रणनीतिकारों पर तरस आती है। ऐसा इसलिए कि मैंने भू-जमींदारी देखी है, जहां पर लोग अपनी जमीनें ठेके या बंटाईदारी पर देकर अनाज और पैसे दोनों लेते हैं। ठीक उसी तरह से आज कांग्रेस के रसूखदार और धन्नासेठ नेता पार्टी संगठन में पद और चुनावी टिकट देने के वास्ते 'वोट' और 'पैसा' दोनों लेते/लिवाते हैं, यह जानते हुए भी कि सामने वाला न तो उनका जनाधार बढ़ा पाएगा और न ही चुनाव जीत/जीतवा पाएगा। ऐसा वो सिर्फ इसलिए करते हैं कि सामने वाला अमीर है, वफादार है, पिछलग्गू भर है या फिर निहित समीकरण वश किसी ने उसकी सिफारिश की है। बेशक कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, लेकिन वही जिनके नेहरू-गांधी परिवार से ठीकठाक सम्बन्ध हैं। अब बात पते की करते हैं। जैसे एक शातिर बंटाईदार अपने भूस्वामी की भूमि पर भी कब्जा कर लेता है और इसमें जब वह असफल होता है तो जमीन मालिक से कम कीमत में उसकी रजिस्ट्री करवाना चाहता है। अनुभवहीन भूस्वामियों को ऐसा करते हुए भी देखा सुना है। ठीक इसी प्रकार लालू प्रसाद और स्व. मुलायम सिंह यादव जैसे नवसियासी बटाईदारों ने कांग्रेस के साथ किया और आज क्षेत्रीय सियासी जमींदार बन बैठे हैं। ऐसा इसलिए सम्भव हो सका, क्योंकि निहित स्वार्थवश पीवी नरसिम्हाराव यही चाहते थे! उनके तिकड़म को सोनिया गांधी नहीं समझ सकीं! वहीं, आज जब राहुल-प्रियंका गांधी की कांग्रेस की रीति नीति देखता हूँ तो इनकी राजनीतिक जमींदारी के हश्र को महसूस भी करता हूँ। कांग्रेस माने या न माने, लेकिन समाजवादी, वामपंथी और राष्ट्रवादी सियासी जमींदारों ने उसकी राजनीतिक जमींदारी को क्षत-विक्षत करने में अहम भूमिका निभाई है और हैरत की बात यह है कि वह समझ नहीं पाई और नादान बनी रही। जबकि इसके

खिलाफ ठोस और जमीनी रणनीति बनानी चाहिए। जैसे कि उसके बाद जन्मी भाजपा ने किया है। माना कि सत्ता प्राप्ति के लोभ में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन यानी यूपीए/महागठबंधन की सोच तो सही है, लेकिन इनके इशारे पर कांग्रेस संगठन को हांकना कतई सही नहीं है। कांग्रेस इससे इंकार कर सकती है, लेकिन वह आज इसी की पूरी सियासी कीमत अदा कर रही है। आज वह सत्ता में नहीं है, फिर भी उन्हीं लोगों से सहारा ढूंढ रही है, जो उसकी सियासी पतन के लिए कसूरवार हैं। चूंकि मैंने एआईसीसी/बीजेपी/तीसरे मोर्चे को कवर किया है, इसलिए दावे के साथ कह सकता हूँ कि कांग्रेस के अंग्रेजी भाषी दलाल नेताओं ने उसके जमीनी नेताओं को भाजपा या क्षेत्रीय दलों में जाने के लिए अभिशप्त कर दिया। चूंकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए वो अपने व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इस बात में कोई दो राय नहीं कि किसी भी स्थापित दल को चलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लायजनरों की जरूरत पड़ती है, लेकिन इनके निहित स्वार्थों के ऊपर यदि ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जनाधार रखने वाले नेताओं की उपेक्षा की जाएगी तो फिर वोट कहाँ से आएगा, यह सोचने की फुर्सत सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के पास नहीं होगी। अतीत पर नजर डालें तो एक जमाना था जब गांव-गांव में कांग्रेस के मजबूत शुभचिंतक थे, लेकिन पार्टी की अव्यवहारिक रीति-नीति के चलते वह इससे दूर होते चले गए। दो टूक कहें तो भाजपा में या क्षेत्रीय दलों में शिफ्ट हो गए। ऐसे में आज कांग्रेस के पास सिर्फ उन 'धनपशुओं' की टोली बची है, जिनको दूसरी राजनीतिक पार्टियां कभी तवज्जो नहीं देतीं। इनका काम कांग्रेस की सत्ता और संगठन के बड़े नेताओं के शाही खर्चों का इंतजाम करना भर है और इसलिए इनके समर्थक ब्लॉक, जिला, राज्य व राष्ट्रीय संगठनों पर हावी हैं। चूंकि इनका कोई जनाधार नहीं है और ये जनाधार वाले कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं देते, इसलिए कांग्रेस खत्म होती चली गई। वहीं, जब से क्षेत्रीय कांग्रेस के नेता अस्तित्व रक्षा के लिए बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद व तेजस्वी यादव तथा उत्तरप्रदेश में सपा प्रमुख स्व. मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव जैसे मजबूत नेताओं के इशारे पर काम करने लगे, तब से पार्टी संगठन की स्थिति और अधिक दयनीय हो गई। आलम यह है कि कांग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टी, जिसे देश की आजादी का श्रेय प्राप्त है, जब जनजीवन व राष्ट्रीय हितों से इतर प्रमुख जातीय, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय समीकरणों पर खेलने लगी, तो उसकी जोड़-तोड़ से सत्ता तो बदलती रही, परंतु जनाधार छीजता चला गया। क्योंकि उसके प्रति निष्ठावान रहे प्रतिभाशाली पेशेवर, कारोबारी, प्रशासक और समाजसेवी आदि उससे दूर होते चले गए। चूंकि पहले क्षेत्रीय दलों और उसके बाद भाजपा ने उन्हें तवज्जो दी, इसलिए वो सब इनके साथ जुड़ गए, जिससे इन्हें अप्रत्याशित मजबूती मिली और कांग्रेस को कमजोरी मुबारक हुई। अब जब कांग्रेस की ट्रू कॉपी भाजपा बनती जा रही है तो भी कांग्रेस के थिंक टैंक को असली मुद्दे समझ में नहीं आ रहे हैं। शायद उसकी इसी मनोवृत्ति पर चोट करते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि कांग्रेस को पुराने ढर्रे की राजनीति बंद करनी होगी और नए ढर्रे बनाने होंगे। अन्यथा सियासी सफलता मुश्किल है। लिहाजा कांग्रेस की इसी कमजोरी को मजबूती में बदलने का आह्वान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किया है। हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी और गठबंधन की हुई करारी हार के बाद हुई पहली कांग्रेस वर्किंग कमिटि की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दो टूक कहा कि अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में महज चंद महीने पहले पार्टी का प्रदर्शन काफी संतोषजनक रहा था। लेकिन अब जो नई दुर्गति सामने आई है, वह हमें नए सिरे से सोचने पर मजबूर करती है।

दृष्टि कोण

दफन हो चुके मुद्दों को भुलाना जरूरी

संभल की घटना ने एक बार फिर पूजा स्थल अधिनियम 1991 पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस कानून को इस तरह की सांप्रदायिक हिंसा को रोकने के लिए पारित किया गया था। यह अधिनियम धार्मिक स्थलों के स्वरूप में किसी भी प्रकार के परिवर्तन को प्रतिबंधित करता है और यह प्रावधान करता है कि 15 अगस्त 1947 को धार्मिक स्थलों का जो स्वरूप था, उसे बनाए रखा जाएगा। इस अधिनियम में दिए गए कुछ अपवादों को न्यायालयों ने अपने-अपने हिसाब से व्याख्यायित किया है। यही कारण है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों से निकलकर आए एक नए अपवाद ने इस अधिनियम को लगभग अप्रभावी बना दिया है। उपासना स्थल अधिनियम इस हद तक कमजोर हो चुका है कि भारत में बाबरी-अयोध्या जैसे नए विवादों की बाढ़ आ सकती है। संभल की इस मस्जिद के पहले इस तरह के आदेश पहले वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद के लिए भी दिए गए थे। पूजा स्थल विधेयक को लेकर 2019 में सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अयोध्या राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद पर अपने फैसले में कहा था कि ऐतिहासिक गलतियों को कानून हाथ में लेकर ठीक नहीं किया जा सकता। सार्वजनिक उपासना स्थलों के स्वरूप को बनाए रखते हुए संसद ने स्पष्ट रूप से यह सुनिश्चित किया है कि इतिहास और उसकी गलतियों का उपयोग वर्तमान और भविष्य को दबाने के लिए उपकरण के रूप में नहीं किया जाएगा। यह टिप्पणी पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 का संदर्भ देती है, जो 15 अगस्त 1947 के बाद से किसी भी धार्मिक स्थल के स्वरूप को बदलने की मांग को प्रतिबंधित करता है और ऐसा प्रयास करने वाले व्यक्ति को दंडित करने का प्रावधान करता है। 1991 में यह अधिनियम पारित हुआ और 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने इसके महत्व को दोहराया। अदालत ने 1991 के अधिनियम से एक अपवाद के रूप में स्वीकार किया क्योंकि यह 1947 से पहले की कानूनी प्रक्रिया से जुड़ा था। इससे लगा कि देश को सांप्रदायिक जहर से मुक्त कर दिया है। पर ऐसा हो नहीं सका। मौजूदा हालात ये हैं कि हर महीने कहीं न कहीं से खबर आती है कि यह मस्जिद पहले मंदिर या यह शिवाला था। इसमें बहुत सारे मामले कोर्ट में भी पहुंच चुके हैं। पूजा स्थल अधिनियम में मौजूद अपवाद और इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पेश किया गया नया अपवाद, ढेर सारे विवादों को कानूनी और सामाजिक रूप से बढ़ावा दे रहा है। अयोध्या में राममंदिर का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट से हल होने और मंदिर बन जाने के बाद लगा था कि भारत धार्मिक और सांप्रदायिक सौहार्द के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। इसके बावजूद यह मुद्दा सच्चाई नहीं बन सका। अब देश में अलग-अलग स्थानों पर मंदिर-मस्जिद का मुद्दा सुलग रहा है। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में कुछ समय पहले हिंदू पक्ष के वकील ने दावा किया था कि देश में केवल काशी और मथुरा की मस्जिदें ही विवादित नहीं हैं, बल्कि इनकी संख्या कहीं ज्यादा है। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने अदालत में कहा था कि भारत भर में विवादित मस्जिदों और स्मारकों की संख्या लगभग 50 है। इनमें कुछ प्रमुख ऐसी हैं जहां भविष्य में कभी भी विवाद बढऩे के आसार बन सकते हैं। अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के मौके पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि अब पुरानी बातों को भूलने का वक्त है। उन्होंने कहा था कि रामलला के साथ भारत का गौरव लौट कर आया है। इसके अलावा हमें सबको साथ लेकर चलना है, अब विवादों से बचना होगा। इसके बावजूद मथुरा में शाही मस्जिद, धार (मध्यप्रदेश) में भोजशाला परिसर, दिल्ली में कुतुब मीनार, लखनऊ में टीली वाली मस्जिद, अजमेर में मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह, मध्य प्रदेश में कमाल-उद-दीन मस्जिद, वाराणसी की धरहरा मस्जिद, बंदायूं की शाही इमाम मस्जिद सहित देश में और कई स्थानों पर विवादों को हवा देने में कसर नहीं छोड़ी जा रही है। ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों पर ऐसे विवादों के मद्देनजर कई बार पूजा स्थल अधिनियम में बदलाव की मांग की जा चुकी है, ताकि इस तरह के दफन हो चुके मुद्दों को फिर से नहीं उठाया जाए। नेताओं ने इस मांग को अनसुना कर दिया। इसके विपरीत भाजपा पूजा स्थल अधिनियम 1991 को खत्म किए जाने की मांग कर चुकी है, ताकि देश में बहुत से धार्मिक स्थलों को मुक्त कराया जा सके।

कुछ अलग

ठंड पर बयान

नेताजी का बयान आया है। यह बयान भ्रष्टाचार पर नहीं आया है। महंगाई पर भी नहीं आया है। राजनीतिक सूरते हाल पर भी नहीं आया है। बयान ठंड पर आया है। इस बार जल्दी ठंड क्यों आ गई और इस ठंड में नेताजी की कंपकंपी क्यों छूट रही है, इस बारे नेताजी बयान दे रहे हैं। अब नेताजी बयान दे रहे हैं और विपक्ष वाले नेता जी के बयान पर ध्यान दे रहे हैं। नेताजी कह रहे हैं कि हमने ठंड से निपटने के पूरे इंतजाम किए थे। चाक चौबंद व्यवस्था की थी। जगह-जगह नाके लगाए थे। नाकों पर अपने बंदे भी बिठाए थे। ठंड की ऐसी तैसी फेरने में हमने कोई प्रयास बाकी नहीं रखे थे। लेकिन इसके बावजूद ठंड ने सुरक्षा चक्र भेद दिया तो इसके पीछे दो ही बातें हो सकती हैं। विदेशी शक्तियों का हाथ भी हो सकता है और विपक्ष की खुराफात भी हो सकती है। इनमें विपक्ष पर मुझे ज्यादा शक है। विपक्ष के नेता आए दिन अपने आलाकमान के पास जाते रहते हैं। साजिश वहीं रची गई होगी। वैसे भी विपक्ष के पास कोई पॉजिटिव एजेंडा नहीं है। सरकार को डंडा देना ही विपक्ष का एकमात्र एजेंडा है। पहले विपक्ष ने सरकार गिराने का षड्यंत्र रचा और अब विपक्ष ठंड का माहौल पैदा करके सरकार को ठंडी करना चाहता है। विपक्ष चाहता है कि मैं ठंड से कांप कांप कर घुटने टेक दूं, लेकिन मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। जल्दी ही सदन में इस बारे एक अध्यादेश लाया जाएगा। ठोस कानून बनाया जाएगा। इस बार तो ठंड ने अपना करतब दिखा दिया। लेकिन अगली बार से ऐसा नहीं होने दिया जाएगा, यह मैं पब्लिक को पूरा भरोसा दिलाता हूं। अभी इधर नेताजी का बयान टेलीकास्ट हुआ ही था कि विपक्ष भी अपने अस्त्र-शस्त्र लेकर ठंड में कूद गया। दूसरा बयान विपक्ष के नेता का आ गया। विपक्ष के नेता का कहना था कि सरकार की तमाम योजनाएं ठंडे बस्ते में पड़ी हैं। सारे वायदे ठंडे बस्ते में पड़े हैं। कर्मचारी और पेंशनरों के एरियर भुगतान के बिल ठंडे बस्ते में पड़े हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार के इरादे ही ठंडे पड़े हैं। ठंड यहीं से शीतलहर में बदली है। इसके लिए नेताजी खुद जिम्मेदार हैं और उनकी सरकार जिम्मेदार है। हम तो हमेशा माहौल गर्म रखते हैं। कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब मीडिया में हमारा गरमा गरम बयान नहीं आता। लेकिन सरकार मृत्यु शैया पर पड़ी है। एकदम से ठंडी पड़ी है। जान प्राण काम होते जा रहे हैं। सत्तारूढ़ दल के अपने ही नेता अपने बिस्तरों से निकलकर हमारे दल में आ रहे हैं और अलाव ताप रहे हैं। हम अपने अलाव कभी ठंडा नहीं होने देते। जब हमारी सरकार होती है, तब हम लोगों के चूल्हे ठंडे नहीं होने देते। हम लोगों की उम्मीदें ठंडी नहीं होने देते। हम एक से एक गरमा गरम योजनाएं लाते हैं। इन योजनाओं पर फिर हम रोटियां सेंकते हैं। लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है कि एक ठंडी सरकार सत्ता में आई है और चारों तरफ ठंड और धुंध का माहौल बना दिया है। कुछ भी आर-पार नहीं दिख रहा। सरकार दिशाहीन हो गई है। सरकार का अपने अधिकारियों पर कोई नियंत्रण नहीं रहा। इसलिए ठंड बेकाबू हो गई है। इसमें हमारा कोई हाथ नहीं है। हमने वैसे भी हाथों में दस्ताने पहन रखे हैं। हमने गले में मफलर लपेट रखा है। हम अपने शरीर को गर्म रखने के लिए कई तरह की चीजें खाते और पीते हैं। लेकिन सरकार सिर्फ और सिर्फ मुल्क को खाने में लगी है। यहां के संसाधनों को बेचने में लगी है। माफिया को बढ़ावा देने में लगी है। सत्तारूढ़ दल का ध्यान लूट खसूट की तरफ है। सरकार सत्ता के नशे में है। और मौके का फायदा उठाकर ठंड ने हमला बोल दिया है।

देश दुनीया से

चिंताएं और समाधान

शिक्षा किसी भी राज्य की प्रगति का आधार है। जब किसी राज्य की शिक्षा प्रणाली कमजोर होती है, तो इसका सीधा असर वहां के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास पर पड़ता है। लेकिन यह स्थिति बदली जा सकती है। उचित नीतियां, सामूहिक प्रयास और दृढ़ इच्छाशक्ति से किसी भी राज्य को शिक्षा के क्षेत्र में पीछे से शीर्ष तक लाया जा सकता है। इसके लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं। हिमाचल प्रदेश, जिसे कभी देश के अग्रणी शिक्षित राज्यों में गिना जाता था, का शिक्षा स्तर 21वें स्थान पर खिसकना वास्तव में चिंताजनक है। यह स्थिति न केवल राज्य के शैक्षिक ढांचे की कमजोरियों को उजागर करती है, बल्कि प्रदेश की समग्र प्रगति के लिए भी एक बड़ा खतरा बन सकती है। यह समय है कि इस गिरावट के कारणों को पहचाना जाए और उन्हें सटीक सुधारात्मक कदमों के माध्यम से दूर किया जाए। शिक्षा की प्राथमिकता तय करने के लिए राजनीतिक और प्रशासनिक संकल्प होना बहुत जरूरी है। राज्य सरकार को शिक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करना होगा। इसके लिए बजट में शिक्षा के लिए अधिक आवंटन सुनिश्चित करना होगा। साथ ही यह लक्ष्य निर्धारण हो कि राज्य को प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा में सुधार के लिए ठोस और समयबद्ध लक्ष्य तय करने चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों की नियुक्ति और प्रशिक्षण हेतु योग्य शिक्षकों की भर्ती हो। शिक्षकों की भर्ती में पारदर्शिता हो और योग्यता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। साथ ही नियमित प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को नई-नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों का प्रशिक्षण देना जरूरी है। माननीय शिक्षा सचिव हिमाचल प्रदेश सरकार श्री राजेश कंवर का एक स्वागतयोग्य वक्तव्य है कि हिमाचल प्रदेश के हर स्कूल में पुस्तकालय और जिम जैसी वर्तमान आधारभूत सुविधा होनी चाहिए। अगर बुनियादी ढांचे का सुधार करना हो तो सबसे पहले है स्कूलों की स्थिति को सुधारना चाहिए। हर स्कूल में पक्की इमारत, शौचालय, स्वच्छ पेयजल, पुस्तकालय और विज्ञान प्रयोगशाला जैसी सुविधाएं होनी चाहिए। तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्मार्ट क्लासरूम का निर्माण आवश्यक है। डिजिटल शिक्षा का प्रसार भी होना चाहिए। डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराना, छात्रों और शिक्षकों को टैबलेट, लैपटॉप या अन्य डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। इंटरनेट के विस्तार के साथ ऑनलाइन पाठ्यक्रम को और रुचिकर बनाने के लिए छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन पाठ्यक्रम और सामग्री विकसित की जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसके तहत कौशल विकास, मूल्य आधारित शिक्षा और मातृभाषा में पढ़ाई को बढ़ावा दिया जाए। स्कूल ड्रॉपआउट और पलायन को रोकना आज एक चुनौती भी है। मूल्यांकन सुधार हेतु रटने की बजाय व्यावहारिक शिक्षा और कौशल आधारित मूल्यांकन प्रणाली लागू की जाए। परख कार्यक्रम भारत की शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव लाने की एक कोशिश है। यह छात्रों की क्षमताओं को सही तरीके से आंकने और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यदि इसे प्रभावी रूप से लागू किया जाए तो यह न केवल भारत के शिक्षा मानकों को ऊंचा उठाएगा, बल्कि इसे एक वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक स्तर पर भी ले जाएगा। सामुदायिक भागीदारी और जागरूकता के माध्यम से अभिभावकों और शिक्षकों को बच्चों की पढ़ाई में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया जाए। हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में शिक्षा के महत्व को लेकर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएं। स्थानीय संगठनों की मदद से गैर-सरकारी संगठनों और पंचायतों को शिक्षा के प्रचार-प्रसार में शामिल किया जाए। पीएम श्री स्कूल और राजीव गांधी मॉडल स्कूल हिमाचल प्रदेश के शिक्षा तंत्र में सुधार के लिए मील का पत्थर साबित हो सकते हैं। ये न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाएंगे, बल्कि राज्य के बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे। यदि इन योजनाओं को पूरी ईमानदारी और समर्पण से लागू किया जाए, तो हिमाचल प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में फिर से अपनी

जगह बना सकता है। इसके साथ ही छात्रवृत्ति, पुरस्कार और प्रोत्साहन जैसी योजनाएं शिक्षा के स्तर को और बढ़ा सकती हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा और वजीफे दिए जाएं। प्रतिभाशाली छात्रों के लिए विशेष पुरस्कार और उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। शिक्षक सम्मान के लिए कोई संस्था निगरानी करे, न कि शिक्षक खुद पुरस्कार पाने के लिए आवेदन करें। जो शिक्षक सच में इस सम्मान का हकदार है, वो शहर और गांव में कहीं भी हो सकता है। राज्य में शैक्षणिक परियोजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए निजी कंपनियों और संस्थानों के साथ साझेदारी की जाए। क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। इसके लिए पर्यटन और कृषि शिक्षा के तहत हिमाचल प्रदेश जैसे राज्य में पर्यटन, कृषि या हस्तशिल्प में जो समृद्ध है, तो इन क्षेत्रों में विशेषज्ञता आधारित पाठ्यक्रम बनाए जाएं। किसी भी राज्य को शिक्षा के क्षेत्र में नीचे से ऊपर लाना कठिन जरूर है, लेकिन असंभव नहीं। इसके लिए सरकार, शिक्षक, अभिभावक और समाज, सभी को मिलकर काम करना होगा। यदि योजनाओं को ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ लागू किया जाए, तो वह दिन दूर नहीं जब राज्य शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम छू सकेगा। शिक्षा में सुधार न केवल राज्य की प्रगति को तेज करेगा, बल्कि यहां के नागरिकों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाएगा। हिमाचल प्रदेश का शिक्षा का स्तर गिरना न केवल शैक्षिक दृष्टिकोण से, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए भी एक बड़ा खतरा है। यह समस्या तत्काल ध्यान और सुधारात्मक उपायों की मांग करती है।

आप का नजरीया

क्यों दोषी है जदरांगल परिसर

शीतकालीन सत्र के मुआवजे में जी रही क्षेत्रीय राजनीति के केंद्र में हर सरकार की समीक्षा तय है और इसीलिए मुद्दे जब मुद्दई बनते हैं तो यथार्थ की कलई खुल जाती है। हिमाचल का राजनीतिक वास्तुशिल्प कुछ इस तरह बनता जा रहा है कि सत्ता अपनी बिसात की प्रदक्षिणा करती है। इसी संदर्भ में केंद्रीय विश्वविद्यालय के जिन्न हमेशा सियासी जमात से रू-ब-रू होते हैं। इस बार शांता कुमार ने पहल करते हुए केंद्रीय विश्वविद्यालय के विषय पर राज्य सरकार की मंशा को मरोड़ा है। सवाल देहरा और धर्मशाला के बीच कई बार बंटा, टूटा या मनहूस हुआ, लेकिन सत्य की तस्वीर यह है कि जदरांगल परिसर के आबाद होने से पहले राजनीतिक दीवारें ऊंची होती चली गईं। 'कफन पहने तेरा श्रृंगार होता रहा उम्मीद से, कि कल जब जंजीरें टूटेंगी तो तेरी हस्ती होगी।' धर्मशाला में पंजीकृत केंद्रीय विश्वविद्यालय का पात्र तो नहीं मिला, लेकिन कुपात्र इसकी स्थापना से ही इस कोशिश में रहे कि धर्मशाला का दावा बिक जाए। यह पहला ऐसा जिला मुख्यालय है जो भले ही आजादी से पूर्व अपनी बेहतर शिक्षा व चिकित्सा सुविधाओं के लिए तत्कालीन पंजाब के एक बड़े हिस्से को संबोधित करता था, लेकिन आज पहले मेडिकल कालेज की पृष्ठभूमि को छीना गया और बाद में छीना-झपटी में केंद्रीय विश्वविद्यालय का वजूद छलनी हो गया। कई विधायक, कई मुख्यमंत्री, कई केंद्रीय हस्तियां और कई सरकारों के ओहदेदार, जदरांगल के हमाम में नंगे हैं। ऐसे में शांता कुमार ने सूई चुभोई तो जख्म केवल कांग्रेस की राज्य सरकार को ही नहीं होंगे, बल्कि उनके अपने यानी भाजपा के दावे भी कसूरवार हैं। एक दशक गुजर गया इस बेशर्मी को ओढ़े जो सरासर राजनीति का घिनौना खेल साबित हुई। इसी हिमाचल में कुछ ऐसी इमारतें बनी हैं और स्वयं हाईकोर्ट भवन का नक्शा गगन चूम रहा है, लेकिन केंद्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशाला परिसर को कोलकाता व दिल्ली की कई सख्त परीक्षाओं से गुजरना पड़ा। लानतें ऐसी कि एक पूर्व भाजपा मंत्री ने पूरे धर्मशाला को नाकाबिल और भौगोलिक दृष्टि से अति कमजोर तक बता दिया, लेकिन महाशय अब न जमीन पर रहे और न ही राजनीति के। आश्चर्य यह कि कांगड़ा का एक हिस्सा हमीरपुर की ताकत बन गया और इस तरह शांता बनाम धूमल और बाद में वीरभद्र बनाम धूमल या अब जयराम ठाकुर बनाम सुखविंदर सुक्खू के बीच धर्मशाला का परिसर झूल रहा है। कायदे से सत्ता में आते ही वर्तमान सरकार तीस करोड़ जमा करा देती, तो आज न्याय की पुकार शांता कुमार को उद्वेलित न करती, मगर यहां तो बार-बार जनांदोलनों को ठुकरा कर धरती की छाती चीर दी जाती है। शांता कुमार ने देहरा बनाम धर्मशाला नहीं किया, फिर भी जब यह पूछा कि वहां की विधायक अगर तीन सौ करोड़ की प्रगति ला सकती हैं, तो जदरांगल परिसर के लिए तीस करोड़ की कंजूसी क्यों। यह राजनीतिक बयान हो सकता है, लेकिन तथ्यों से परे नहीं है, क्योंकि तीस करोड़ जमा होते ही 250 करोड़ का परिसर खड़ा होगा। इस तरह की छीना-झपटी ने शिक्षा के प्रति राजनीतिक असंवेदना का परिचय तो दिया है और जदरांगल परिसर को लूटने वाले कई किरदार दोनों तरफ मिल जाएंगे। ऐसे में राज्य के वरिष्ठ मंत्री चौधरी चंद्र कुमार जब यह पूछते हैं कि शांता कुमार ने अपने दौर में धर्मशाला केंद्रीय विश्वविद्यालय के पक्ष में क्या किया, तो पूर्व मुख्यमंत्री को भी बयानों से हटकर हकीकत की खतोकिताबत में कुछ पन्ने दर्ज करने होंगे।

वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में भारत सशक्त : ओम बिरला

फरीदाबाद (हिंस)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने युवा शक्ति को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा, दिक्षा के बाद आप जीवन में नए करियर की शुरुआत करने जा रहे हैं, ऐसे में अपनी भारतीय संस्कृति की विरासत को आधार मानते हुए देश के सभ्य नागरिक के रूप में विकसित भारत बनाने का संकल्प लेते हुए राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने की दिशा में भारत आज बड़ी शक्ति के रूप में उभरकर सामने आया है। लोकसभा अध्यक्ष शनिवार को फरीदाबाद जिला स्थित मानव रचना विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। समारोह में हरियाणा सरकार में राजस्व एवं शहरी निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल विशिष्ट अतिथि रहे। समारोह में आये मुख्यातिथि सहित अन्य अतिथिगण का अभिनंदन विश्वविद्यालय की चीफ पैटर्न सत्या भल्ला व कुलाधिपति डॉ. प्रशांत भल्ला व उपाध्यक्ष डॉ. अमित भल्ला द्वारा किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह का शुभारंभ विधिवत रूप से हुआ। विश्वविद्यालय के संस्थापक स्व. डॉ. ओपी भल्ला को नमन किया गया। समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर व पीएच.डी की करीब 1500 से अधिक डिग्री प्रदान की गई साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आज पूरी दुनिया में भारत की अतुल्य पहचान है। शासन चलाने की सर्वश्रेष्ठ पद्धति भारत की है और यही कारण है कि भारत की तरह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का दुनिया के अन्य देश भारत का अनुकरण कर रहे हैं। लोकतंत्र की मजबूत ताकत ही है कि हमारा भारत 21 वीं सदी में हर क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भारत की संस्कृति, ज्ञान, कौशल, सामर्थ्य के फलीभूत वे विश्व स्तर पर स्वर्णिम भविष्य की कल्पना को साकार कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि लोकमत व लोकजनमत के साथ हम देश को आगे बढ़ा रहे हैं साथ ही विविधता में एकता का संदेश देते हुए विकसित भारत की ओर सार्थक कदम बढ़ाने में हर भारतवासी अपना दायित्व निभा रहा है। समारोह में हरियाणा सरकार में राजस्व

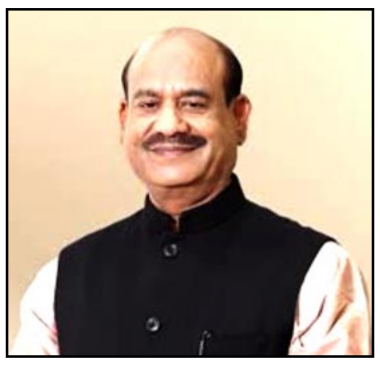

एवं शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल ने लोकसभा अध्यक्ष का जिला फरीदाबाद में पहुंचने पर उनका स्वागत किया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि हरियाणा की धरा पर बेहतर शैक्षणिक माहौल व आधारभूत ढांचागत विकास के साथ युवा शक्ति को संस्कारवान बनाते हुए ग्लोबल चेंज मास्टर तैयार करने में हरियाणा सरकार अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही है। उन्होंने समारोह में डिग्री धारक युवाओं को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज यह गौरव का क्षण है जिसमें आप जीवन के नए पायदान पर कदम रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज विश्व में हर प्रतिष्ठित कंपनी में भारतवासी उच्च पदों पर आसीन हैं। ऐसे में भारत पूरी दुनिया का केंद्र बिंदु बन चुका है और हमारी युवा पीढ़ी का यही जज्बा व उनकी सकारात्मक विचारधारा विकसित भारत की दिशा में बढ़ते कदम का साक्षात प्रमाण है। उन्होंने डिग्री धारकों को कहा कि वे जहां भी दुनिया मे जाएं अपने पेरेंट्स, टीचर्स द्वारा दिये गए संस्कारों के फलीभूत उनका मान सम्मान रखते हुए भारतीय संस्कृति को कभी न भूलें। दीक्षांत समारोह में मानव रचना विश्वविद्यालय की ओर से सांसद अनुराग शर्मा, चेयरपर्सन हरियाणा जल स्रोत केशनी आनंद अरोड़ा, आलोक शर्मा, पंकज बंसल, पंकज बंसल, पद्मश्री रानी रामपाल, संजय सेठी, डॉ. तनुजा सिंह, आनंद मेहता, डॉ. मनहेल थाबेट व प्रदीप मोहंती को पीएच.डी डिग्री की मानद उपाधि से अलंकृत किया। इन अवसर पर वीसी डॉ. दीपेंद्र कुमार झा, वीसी डॉ. संजय श्रीवास्तव व डीसी विक्रम सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

वाल्मीकि समाज की महापंचायत आज हड़ताल को लेकर बनाई जाएगी आगामी योजना

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में सफाई कर्मचारी भर्ती को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। अनुभव प्रमाण पत्र में शिथिलता देने की मांग को लेकर पिछले 5 दिनों से जयपुर में सफाई कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर रखा है। वहीं, रविवार को जयपुर में वाल्मीकि समाज द्वारा महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। इसमें वाल्मीकि समाज की मांग नहीं माने जाने पर प्रदेशभर में सफाई कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने का फैसला किया जाएगा। वाल्मीकि समाज विकास संस्थान के अध्यक्ष दीपक डंडोरिया ने कहा कि रविवार को जयपुर में प्रदेशभर की सफाई कर्मचारी यूनियन और वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधि महापंचायत करेंगे। इसमें राजस्थान सरकार द्वारा वाल्मीकि समाज के साथ किए गए षड्यंत्र के खिलाफ फैसला किया जाएगा। ऐसे में अगर कल तक सरकार ने भर्ती नियमों में संशोधन कर आवेदन की तारीख को आगे नहीं बढ़ाया। प्रदेशभर में न सिर्फ सरकारी बल्कि, प्राइवेट सेक्टर में भी कार्य बहिष्कार कर सफाई कर्मचारी अपने हक की लड़ाई लड़ेंगे। राजस्थान सरकार ने सफाई कर्मचारी भर्ती में वाल्मीकि समाज के साथ धोखा किया है। इस धोखे को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्योंकि वर्तमान में जो भी शर्तें आवेदन की प्रक्रिया में लागू की गई है। उन्हें सिर्फ धांधली करके ही पूरा किया जा सकता है। ऐसे में महज कुछ लोग ही अब तक आवेदन प्रक्रिया में शामिल हो सके हैं। वाल्मीकि समाज का मूल रूप से सफाई ही कामकाज है। उस समाज के हजारों युवा आवेदन प्रक्रिया में भी शामिल नहीं हो पाए हैं। जो पूरी तरह गलत और निंदनीय है। हम

सरकार से मांग करते हैं कि वाल्मीकि समाज के युवाओं को आवेदन प्रक्रिया में रियायत देकर अनुभव प्रमाण पत्र की बाध्यता को समाप्त किया जाए। इसके साथ ही भर्ती की आवेदन की प्रक्रिया को और आगे बढ़ाया जाए। अगर सरकार ने हमारी इन दोनों मांगों को पूरा नहीं किया। तो प्रदेशभर में वाल्मीकि समाज जिला स्तर पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगा। इसके साथ ही न सिर्फ सरकारी सफाई कर्मचारी बल्कि, प्राइवेट सफाई कर्मचारी भी कार्य बहिष्कार कर सरकार के खिलाफ हड़ताल पर जाएंगे। गौरतलब है कि राजस्थान सरकार ने 23 हजार 820 पदों पर सफाई कर्मचारियों की भर्ती निकली थी। इसके लिए 27 नवंबर की शाम तक आवेदन किया जा सकता था। अब आवेदन की प्रक्रिया समाप्त हो गई है। ऐसे में जहां सरकार भर्ती प्रक्रिया को पूरा कर जल्द लॉटरी निकाल अभ्यर्थियों की नियुक्ति की तैयारी कर रही है। वहीं वाल्मीकि समाज ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बाद अब अंदरूनी कॉलोनी और गलियों में गंदगी दिखने लगी है।

बीएसएफ ने दिखाई मानवता, धोखे से भारत आए पाक नागरिक को लौटाया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के अमृतसर के निकट स्थित भारत-पाक सीमा में शुक्रवार की रात एक पाकिस्तानी नागरिक भारतीय सीमा में प्रवेश कर गया। जांच के बाद शनिवार को बीएसएफ ने उसे पाकिस्तानी रेंजरों के हवाले कर दिया। बीएसएफ की इस कार्रवाई की पाकिस्तानी रेंजरों द्वारा प्रशंसा की गई है। बीएसएफ के अनुसार, एक पाकिस्तानी नागरिक गत दिवस गलती से अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय सीमा में प्रवेश कर गया था। बीएसएफ के जवानों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे हिरासत में ले लिया। इसके बाद प्रोटोकॉल के मुताबिक जांच शुरू की गई। शुरुआती जांच में पाया कि व्यक्ति गलती से और बिना किसी आपराधिक इरादे के सीमा पार कर गया था। पूछताछ के दौरान इस व्यक्ति ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा के बारे में जानकारी न होने के कारण वह गलती से भारतीय सीमा में घुस गया। पूछताछ और छानबीन में पाकिस्तानी युवक के पास से बीएसएफ को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इसी बीच, इस शख्स को लेकर पाक रेंजर्स की तरफ से एक आवेदन बीएसएफ को भेजा गया। जिसके बाद पाकिस्तान रेंजर्स से संपर्क किया गया। नियमानुसार व्यक्ति की पहचान की गई और बीएसएफ के अलावा अधिकारियों ने उसे वापस सौंपने का फैसला किया।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग को बड़ा झटका, माया और डेविल राजा समेत सात बदमाश गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। संजय सर्किल थाना पुलिस पुलिस ने व्यापारी को जान से मारने की धमकी देकर वसूली करने के मामले में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक महिला सहित सात सदस्यों को अरेस्ट किया है। उनके पास से तीन देशी कट्टे, मैगजीन और सात जिंदा कारतूस बरामद किया है। इस गैंग में एक महिला भी शामिल है। पुलिस के अनुसार लॉरेंस गैंग के योगेश सैनी, मोहम्मद अकील, हरेंद्र बिश्नोई, दीपक सैन, हरेन शैलेश भाई, सचिन वर्मा और सीमा उर्फ मैडम माया को अरेस्ट किया गया है। आरोपियों द्वारा अपहरण फिरौती और फायरिंग की कई घटनाओं को अंजाम दिया गया है। महिला मैडम माया गैंग के सदस्यों में सामन्जस्य रखने का काम करती है। इसके अलावा सम्पर्क कर गैंग के सदस्यों को टास्क देती है। मैडम माया जेल में बंद बदमाशों का खर्चा उठाने के साथ उनकी सभी सुख सुविधाओं की भी व्यवस्था करती है। अलग-अलग वारदातों को अंजाम देने के लिए जेल में बंद गैंगस्टर तक मैडम माया संदेश वाहक का काम करती है। वहीं जेल में बंद बदमाशों के केस या जमानत के लिए भी मैडम माया वकील सहित अन्य व्यवस्थाएं करती है। इसके अलावा मैडम माया किस बदमाश को किस जेल में शिफ्ट करना के लिए रोड मैप तैयार करती है। महिला के मोबाइल में कई वकीलों के नम्बर मिले है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए बदमाश के खिलाफ दिल्ली हरियाणा पंजाब समेत के राज्यों में दर्जनों मुकदमे दर्ज है। बदमाशों का लॉरेंस गैंग के सदस्य संपत नेहरा रोहित गोदारा, गोल्डी बराड़ से संपर्क, हथियारों की तस्करी करना मादक पदार्थों की तस्करी करना किसी भी व्यापारी को टारगेट पर लेकर वसूली करने का काम है। मामले की जांच थानाधिकारी हरिओम सिंह कर रहे है। इस गैंग में मैडम माया का एक अलग ही रुतबा था। उसी के आदेश पर टारगेट तलाशने से लेकर धमकाने सहित अन्य काम होते है। महिला बदमाशों की सेवा और उसके पकड़े जाने पर वकील सहित अन्य खर्चो की व्यवस्था करती थी। मैडम माया के नाम से मशहूर महिला गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए रेकी का काम किया करती थी। वहीं गैंग का मुख्य शूटर डेविल राजा भी गिरफ्त में आ गया है। गैंग में शामिल सीमा उर्फ मैडम माया गैंग के सदस्यों से संपर्क साधने, उन्हें टास्क देने और जेल में बंद गैंगस्टर्स का खर्च उठाने जैसे कार्यों को अंजाम देती थी। ये महिला गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए रेकी का काम किया करती थी। इतना ही नहीं मैडम माया बिश्नोई गैंग के जेल में बंद अपराधियों के लिए जमानत की व्यवस्था करना। पैसे की व्यवस्था करना। संदेश पहुंचाना। उनके संदेश को आगे तक पहुंचाना। रंगदारी की मांग रखना एवं अन्य प्रकार के कामों में गैंग के लिए एक अहम भूमिका निभाती थी। मैडम माया का पकड़ा जाना पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। हरेन उर्फ डेविल राजा एक बड़ा शार्प शूटर है।। ये गैंग हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी में भी शामिल रहा है। व्यापारियों को धमकाकर वसूली करना इनकी आय का मुख्य जरिया था। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और अन्य राज्यों में दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं।

75 ट्रेनी आरएएस को मिली पहली पोस्टिंग, बने सहायक कलक्टर

जयपुर (हिंस)। राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के दो साल के परीवीक्षाकाल पर चल रहे 75 चयनितों को जिलों में सहायक कलक्टर लगाया है। इन्हें 24 मई 2024 को दो साल के लिए परीवीक्षाकाल पर चयनित किया था, अब पहली फील्ड पोस्टिंग दी गई है। ये नए आरएएस अधिकारी 24 मई 2024 से हरिश्चन्द्र माथुर लोक प्रशासन संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे थे। अब इन सभी को सहायक कलक्टर (प्रशिक्षण) पद पर फील्ड में अटैच किया है।

बांग्लादेश मे शांति के लिए आज होगा गुप्त वृंदावन धाम में हरिनाम संकीर्तन, निकलेगी विरोध यात्रा

जयपुर (हिंस)। सनातन धर्म का उद्देश्य पूरे विश्व में मानवता, प्रेम, सद्भाव और शांति का प्रसार करना है। अभी हाल ही बांग्लादेश में सनातन धर्म के अनुयायियों के साथ दुर्व्यवहार हुआ है और धर्म का प्रचार करने की स्वतंत्रता पर रोक लगाई गई है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा और न्याय के समर्थन के लिए रविवार को जयपुर के जगतपुरा स्थित गुप्त वंदावन धाम में हरिनाम संकीर्तन का महायोजन होगा और साथ ही धर्म के

अनुयायियों के साथ हुए अत्याचार के विरोध में यात्रा निकाली जाएगी। रविवार सुबह 9 बजे हरिनाम संकीर्तन और विरोध यात्रा गुप्त वंदावन धाम के मुख्य द्वार से अक्षय पात्र जंक्शन, कृष्ण बलराम मार्ग, हरे कृष्ण मार्ग से होते हुए वापस मंदिर परिसर में प्रवेश करेगी। यह प्रदर्शन बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा और न्याय के लिए गुप्त वंदावन धाम के समर्थन, सद्भाव और प्रार्थना का प्रतीक है।

विदेशी हथियारों की खेप के साथ दो युवक गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने सीमा पार (पाकिस्तान) से होने वाली हथियार तस्करी की घटना को असफल करते हुए दो युवकों को भारी मात्रा में हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों आरोपित पाकिस्तान से यहां हथियारों की डिलीवरी देने की तैयारी में थे। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शनिवार को एक बयान में बताया कि अमृतसर के घरिंडा के निकट से पुलिस व काउंटर इंटेलीजेंस विंग ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपित पाकिस्तान से लाए हथियारों की खेप को पंजाब में किसी अन्य गैंगस्टर को सौंपने की तैयारी में थे। पकड़े गए आरोपियों से आस्ट्रेलिया व तुर्किये में बनी आठ अलग-अलग श्रेणी की पिस्तौल तथा दस कारतूस बरामद किए गए हैं। डीजीपी ने बताया कि आरोपियों की पृष्ठभूमि के साथ-साथ उनके पंजाब व अन्य राज्यों में हथियार तस्करों के साथ संबंधों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

धार्मिक मामलों को आड़ बनाकर स्वार्थ की राजनीति साधने में जुटी सरकारें : मायावती

लखनऊ (हिंस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि यूपी सरकार भी आमजनहित में संवैधानिक दायित्वों को निभाने के वैधानिक कार्यों से अधिक धार्मिक मामलों को आड़ बनाकर अपने स्वार्थ की राजनीति साधने में देश में कोई पीछे नजर नहीं आती हैं। आबादी के हिसाबा से देश के सबसे बड़े राज्य यूपी व पड़ोसी उत्तराखंड में भी महंगाई की जबरदस्त मार झेल रहे सर्व समाज के करोड़ों लोग गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा व पिछड़ेपन आदि का अंधकार जीवन जीने को मजबूर है। भाजपा की अपने वोट बैंक व हर हाल में उसके तुष्टीकरण की राजनीति उत्तर प्रदेश के लोगों को क्या खुश व खुशहाल जीवन दे पा रही है यह गंभीर और चिंतन विषय जरूर हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने शनिवार को पार्टी कार्यालय लखनऊ स्थित माल एवेन्यू में बीते राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव और यूपी के उपचुनाव में आए नतीजों को लेकर पार्टी कार्यालय

में बैठक की। इसमें उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश राज्य के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहें। मायावती ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि पार्टी संगठन की मजबूती और सर्वसमाज में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए मंडल और जिलावार समीक्षा में उल्लेखित कमियों दूर करने के निर्देश दिए। दलित समाज को जगाने की जरूरत। इस दौरान मायावती ने कांग्रेस और भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पूर्व में कांग्रेस की सरकार की तरह वर्तमान में भाजपा गरीब, विरोधी व उनकी धन्नासेठ समर्थक नीतियों एवं कार्यकलापों के विरुद्ध लोगों में आक्रोश व्याप्त है। इस पर लोगों का ध्यान बांटने के लिए ही यह पार्टी भी किस्म-किस्म के नए जातिवादी, सांप्रदायिक व संक्रीर्ण हथकंडों का इस्तेमाल करती हैं और चुनाव में इसका लाभ भी ले सकती है। इसके अलावा विशेषकर चुनाव के समय में जनहित, व जनकल्याण के हिए अनेकों प्रकार के लुभावने वादे को सरकार बन जाने पर ईमानदारी से निभाने के बजाए उन्हें पूरी तरह से भुला देते हैं। इसी प्रकार की अन्य नकारात्मक व घिनौनी राजनीति से आम जनहित व देश का कुछ भी अपेक्षित भला नहीं होता।

वक्फ बोर्ड को समाप्त कर सनातन बोर्ड गठन करे सरकार : श्री ओंकार

सहरसा (हिंस)। जन चेतना अभियान के संस्थापक ओंकार सिंह नें वक्फ बोर्ड को समाप्त कर सनातन बोर्ड के गठन की मांग की है। उन्होंने बताया कि आज कल वक्फ बोर्ड को समाप्त कर सनातन बोर्ड गठन को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा जोर-शोर से चल रही है। एक पक्ष यह सिद्ध करने में हैं कि यदि शासन पक्ष के द्वारा समाप्त कर दिया जाता है तो यह बेमानी होगी और इससे तथाकथित उस वर्ग के लोगों की धार्मिक भावना आहत होंगी व धार्मिक भावना को ठेस पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने तो वक्फ बोर्ड खत्म होने से संवैधानिक अधिकार का हनन भी बता दिया। जहां तक संविधान की बात उठती है, तो स्पष्ट तौर पर यह सर्वविदित तथ्य है कि संविधान में कहीं भी यह उल्लेख नहीं है कि किसी भी धार्मिक समुदाय के लिए अनाधिकृत रुप से धार्मिक संस्थाओं के नाम पर सार्वजनिक या किसी का व्यक्तिगत जमीन का अधिग्रहण करें। यह बात दिगर है कि उस समय हमारे देश के सत्ता और सियासत के प्रतिष्ठानों पर बैठे कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक हितों को साधने के लिए वक्फ बोर्ड जैसी जिन्न को छोड़ दिया जो आज देश के लिए विवादित विषय बन कर रह गया है। कुछ लोगों के वोट की राजनीति देश के लिए गले की हड्डी बन गया। इसके बावजूद कुछ राजनीतिज्ञों के लिए वोट बैंक की संभावना है। ऐसे में यदि बहू संख्यक उदार वर्ग यदि जिसे सनातनी कहा जाता है यदि सनातन धर्म की रक्षार्थ यदि सनातन बोर्ड के लिए मांग करें तो कोई अनुचित नहीं है। सृष्टि और प्रकृति मे विद्यमान समस्त प्राणियों में ईश्वर को देखना सनातन धर्म की विशिष्टता है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी आज भी हमारा प्राचीन धरोहर, सनातन, उपनिषद, ग्रंथों पश्चिमी देशों के सभी बड़े शैक्षणिक संस्थानों में, विश्वविद्यालयों में सबसे बड़ा शोध विषय है। आज के दौर में यदि सनातन को मानने वाले सनातनी सनातन धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए सनातन बोर्ड की कवायद करें तो सरकार और देश के सभी धर्मों के माननें वाले लोगों को खुलकर समर्थन करना चाहिए। अब मौजुदा सरकार के सामने महज दो में एक विकल्प है या तो सनातन बोर्ड का निर्माण हो या देश में वक्फ बोर्ड समाप्त हो।

नीतीश जी पॉलिटिक्स विथ डिफरेंस के लिए जाने जाते हैं : संतोष कुशवाहा

पूर्णिया (हिंस)। एक राजनीतिक पार्टी के रूप में जेडीयू की विचारधारा महात्मा गांधी, डॉ. अंबेडकर, राममनोहर लोहिया, जेपी और कर्पूरी जी की विचारधारा है। इस विचारधारा का नेतृत्व हमारे नेता नीतीश जी कर रहे हैं। वे ऐसे नेता हैं जो पूरे समाज का नेतृत्व करते हैं। वे पॉलिटिक्स विथ डिफरेंस के लिए जाने जाते हैं। नीतीश जी ने न्याय के साथ विकास के कारवां को आगे बढ़ाने का काम किया है। कोई ऐसा जाति और धर्म नहीं जिसके लिए नीतीश सरकार ने काम नहीं किया। नीतीश कुमार जी के विकास कार्यों को हम कार्यकर्ता जन-जन तक पहुचाएं ताकि वर्ष 2025 में फिर से नीतीश जी के नेतृत्व में बिहार में एनडीए की सरकार बन सके। उक्त बातें पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने शनिवार को अररिया जिला जेडीयू कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। कुशवाहा ने कहा कि नीतीश जी के राज से पहले इस राज्य की क्या स्थिति थी। सूबे में चारों ओर अराजकता थी। सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून व्यवस्था की क्या स्थिति थी। 1990-2005 के बीच राज्य में 118 नरसंहार हुए थे। आज 19 वर्षों में एक भी नरसंहार नहीं हुआ। यही नीतीश जी के सुशसन की खासियत है। आज का दौर नारी सशक्तिकरण का है। वर्ष 2005 में पंचायती राज में 50 फीसदी आरक्षण महिलाओं को मिला तो बिहार देश का पहला राज्य बना जहां सरकारी नौकरियों में 35 फीसदी आरक्षण दिया गया। इसके बाद समाज मे मौन क्रांति आई है। नीतीश सरकार युवाओं के नौकरी और रोजगार के लिए फिक्रमंद है। अब तक 22 लाख लोगों को रोजगार और नौकरी मिली है। बिहार के बजट का 18 फीसदी शिक्षा पर खर्च हो रहा है। पढ़ाई के क्षेत्र में बेटियां बेटों से अव्वल चल रही है, यह नीतीश जी के प्रयासों की देन है। कुल मिलाकर हर क्षेत्र में बड़ा बदलाव दिख रहा है। कहा कि राज्य में 46 फीसदी युवा हैं, उन्हें 2005 से पहले की स्थिति की जानकारी नहीं है, उन युवाओं को जंगलराज की जानकारी देनी है। आज हम संकल्प लें कि राज्य सरकार के विकास कार्यों की जानकारी आम लोगों तक पहुचाएं। इस कार्यक्रम को सांसद डॉ. आलोक सुमन, सांसद दिलेश्वर कामत, पूर्व सांसद गुलाम रसूल बलियावी, विधायक अचमित ऋषिदेव ने भी संबोधित किया। इस मौके पर जेडीयू महानगर अध्यक्ष अविनाश सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कुमार, तलहा सलीम, आदि मौजूद थे।

नई शिक्षा नीति संस्कार, तकनीक और रोजगार युक्त है : रजनी तिवारी

हरदोई (हिंस)। शनिवार को सनातन धर्म इंटर कालेज में उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ के जनपदीय सम्मेलन में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि भारत की नई शिक्षा नीति 2020 भारत के प्रधानमंत्री द्वारा 29 जुलाई 2020 को घोषित की गई। नई शिक्षा नीति शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव का उद्देश्य रखती है। इसका उद्देश्य भारत की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के अनुसार आधुनिक और समावेशी बनाना है। नई शिक्षा नीति 34 वर्षों के बाद पिछली शिक्षा नीति (1986) को संशोधित कर लागू की गई है। उन्होंने बताया कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि देश के लिए संस्कारयुक्त शिक्षा होनी चाहिए। उन्हीं के आदर्शों के अनुरूप नई शिक्षा नीति संस्कार, तकनीक और रोजगार युक्त है। जिससे हमारे नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगारपरक कौशल और वैश्विक मानकों के अनुसार भारतीय शिक्षा प्रणाली को तैयार करना है। इससे भारत को *ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था* बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि बच्चे

कच्चे घड़े के रूप में होते हैं। आप लोग जैसा ढालेंगे वैसे ढलेंगे। आप लोगों पर बड़ी जिम्मेदारी है। इसीलिए प्रधानमंत्री भी बीच-बीच में छात्रों से संवाद करते रहते हैं। जनपदीय सम्मेलन का शुभारम्भ उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने किया। गंगा देवी के छात्र छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। नई शिक्षा नीति पर गीता शुक्ला, पूर्व प्राचार्य सी एस एन कालेज वी एस पाण्डेय, तिलक राम यादव आदि ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। संघ की तरफ से सेवानिवृत्त शिक्षकों को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह भेंट कर विशिष्ट अतिथि जिला विदयालय निरीक्षक बालमुकुंद प्रसाद की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। आर्य कन्या की छात्राओं ने लोकनृत्य तथा एस डी कालेज के छात्र मोनू ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक सत्यम दीक्षित ने किया। सम्मेलन के आयोजन में जिला मंत्री आलोक सिंह प्रवक्ता राजबीर सिंह, अनिल अंबेडकर, वीरभानु सिंह, संदीप बाजपेई, अभिषेक अग्रिहोत्री, विंदु शेखर, दीप्ति सोनकर, नीलम स्वतन्त्र आदि ने सहयोग किया। प्रधानाचार्य दिवाकर ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। संघ के कोषाध्यक्ष नीरज यादव, वैशाली यादव, सर्वेश शुक्ला, महेंद्र वर्मा, जिले प्रधानाचार्य के पी सिंह, अमित समय सिंह, सुनील रस्तोगी, अरूण बाजपेई, अभिराम सिंह, सुशील शर्मा, अजय शुक्ला, आदि प्रधानाचार्य उपस्थित रहकर सभी का मनोबल बढ़ाते रहे। इस अवसर पर प्रांतीय महामंत्री आशीष कुमार सिंह, मंडलीय अध्यक्ष विधानचंद्र दिद्वेदी, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश मित्तल (राष्ट्रपति पुरस्कृत) पूर्व प्रधानाचार्य तुलसी राम कनौजिया आदि उपस्थित रहे। आज ही जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें जिलाध्यक्ष आलोक सिंह, जिला मंत्री वीरभानु सिंह यादव, कोषाध्यक्ष महेंद्र वर्मा, सत्यम दीक्षित प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य, नीरज यादव को वरिष्ठ उपाध्यक्ष सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया।

आरआईएल ने खरीदी डब्ल्यूएचआई में 21 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली

हेलियम गैस के क्षेत्र में कदम रखते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अमेरिकी कंपनी वावेटेक हेलियम इंक (डब्ल्यूएचआई) में 21 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद ली है। रिलायंस ने डब्ल्यूएचआई में करीब रुपए 100 करोड़ के कुल निवेश पर यह हिस्सेदारी हासिल की है।

यह निवेश रिलायंस की पूरी तरह से स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रिलायंस फाइनेंस एंड इन्वेस्टमेंट्स यूएसए एलएलसी द्वारा किया गया है। डब्ल्यूएचआई, अमेरिका में हेलियम गैस के भंडारों की खोज, उत्पादन, और प्रबंधन में विशेषज्ञता रखती है। कंपनी के पास अमेरिका के ईस्ट-साउथईस्ट कोलोराडो, वेस्टर्न कैनसस और नॉर्थवेस्ट मोंटाना जैसे क्षेत्रों में गैस भंडार का नियंत्रण है। हेलियम का उपयोग मेडिकल उपकरण, एयरोस्पेस, फाइबर ऑप्टिक्स, और सेमीकंडक्टर उत्पादन जैसे क्षेत्रों में होता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा सेंटर के विस्तार के साथ इसकी मांग में और वृद्धि की उम्मीद है। रिलायंस ने बताया कि पिछले दो दशकों में हेलियम की मांग तेजी से बढ़ी है, लेकिन सप्लाई की कमी के कारण इसकी कीमत प्राकृतिक गैस से 100 गुना अधिक हो गई है। यह निवेश कंपनी की कम-कार्बन ऊर्जा समाधान और वैश्विक विस्तार की रणनीति का हिस्सा है।

डब्ल्यूएचआई के साथ यह साझेदारी रिलायंस को हेलियम की खोज और उत्पादन के क्षेत्र में नई संभावनाएं प्रदान करेगी। उद्योग विशेषज्ञ इसे कंपनी के वैश्विक विस्तार और हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश का महत्वपूर्ण कदम मान रहे हैं। रिलायंस ने 2010 में अमेरिका के शेल गैस सेक्टर में साझेदारी के माध्यम से बड़ा निवेश किया था, लेकिन 2021 में वह कारोबार से बाहर निकल गई थी। अब, डब्ल्यूएचआई में हिस्सेदारी खरीदकर, रिलायंस ने हेलियम क्षेत्र में अपने प्रवेश को चिह्नित किया है।

न्यूज़ब्रीफ

वित्त मंत्रालय अप्रत्याशित लाभ कर की प्रभावशीलता की समीक्षा करेगा, पेट्रोल-डीजल हो सकता है सस्ता, वित्त मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने अप्रत्याशित लाभ कर करने के नियमों के प्रभाव की समीक्षा करने का फैसला किया है, क्योंकि कच्चे तेल की निर्यात की कीमतें वैश्विक स्तर पर स्थिर रह गई हैं। इस निर्णय के बाद पेट्रोल, डीजल, और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर एसएईडी को शून्य किया गया है। जून 2022 में सरकार ने घरेलू उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को मिटाकर एसएईडी लागू किया था। इसमें पेट्रोलियम के निर्यात के लिए निर्धारित कीमतों में भी भारी कमी की गई थी। इस नए निर्णय के बाद सूत्रों का कहना है कि वित्त मंत्रालय अप्रत्याशित लाभ कर से होने वाली सम्भावित लाभ की समीक्षा करने जा रहा है। इससे जुड़े करों का भी आंकलन किया जाएगा।
अप्रत्याशित लाभ कर का निर्धारण पहले 31 अगस्त को किया गया था, जब कच्चे पेट्रोलियम के निर्यात पर 1,850 रुपये प्रति टन को तय किया गया था। अब इसे 18 सितंबर से शून्य पर यथावत रखा गया है। इस निर्णय के प्रभाव से एविएशन इंडस्ट्री को भी लाभ हो सकता है, क्योंकि एटीएफ के निर्यात पर भी एसएईडी लागू है। देश की ऊर्जा क्षेत्र में यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो मंत्री निर्मला सीतारमण की नेतृत्व में लिया गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से गृहित प्रस्तावों के परिणामस्वरूप पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने जीएसटी के दायरे में प्राकृतिक गैस को शामिल करने के लिए पत्र भेजा है। इस परिषद में लेने वाले निर्णय से जल्द ही ऊर्जा सेक्टर में और बदलाव देखने की उम्मीद है।

अब एटीएम से भी निकाल सकेंगे पीएफ का पैसा, सरकार जल्द नियम लागू करेगी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने एक नई योजना शुरू की है, जिससे सब्सक्राइबर्स को अब अपनी फाइनेंशियल सिक्योरिटी को और भी मजबूत करने में मदद मिलेगी। इस नई योजना के तहत ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स को एटीएम से अपने पीएफ का पैसा उठाने की सुविधा उपलब्ध कराएगा। एटीएम से पैसा निकालने की लिमिट तय की जाएगी, जिससे सब्सक्राइबर्स अपनी जरूरत पर अनुकूल पैसे निकाल सकेंगे ईपीएफओ 3.0 योजना का हिस्सा बनकर। इसके अलावा श्रम मंत्रालय कर्मचारियों के वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करने के लिए 12 फीसदी की सीमा को हटाने पर विचार कर रही है। सब्सक्राइबर्स को जल्द ही ज्यादा राशि जमा करने की सुविधा मिल सकती है। यह नई योजना कर्मचारियों को अपने भविष्य के लिए और अधिक बचाव और सुरक्षा मिलने का अवसर देती है। इससे न केवल उनका रिटायरमेंट सुरक्षित होगा, बल्कि उन्हें इमर्जेंसी में भी जरूरत पड़ने पर आसानी से पैसे निकालने की सुविधा मिलेगी ।

स्मार्ट टीवी मॉडल्स पर 65 फीसदी तक का डिस्काउंट!

मुंबई । साल 2024 का आखिरी महीना दिसंबर आते ही दुनिया भर में ऑनलाइन खरीदारियों को खुशखबरी मिल रही है। फ्लिपकार्ट और अमेजन ने ब्लैक फ्राइडे सेल की घोषणा की है, जिसमें र्स्माट टीवी मॉडल्स पर 65 फीसदी तक का डिस्काउंट दिया जा रहा है। अमेजान ब्लैक फ्राइडे सेल में एक्सिस, बैंक ऑफ बड़ौदा, एचडीएफसी और वन कार्ड से पेमेंट करते समय 10 फीसदी तक की छूट मिलेगी। अगर आप नई स्मार्ट टीवी का खरीद है तो यह सेल एक सुनहरा मौका है। इस सेल में शाओमी के 43 इंच स्मार्ट टीवी पर 42 फीसदी की छूट दी जा रही है, जिसे 24,999 रुपये में खरीदा जा सकता है। इस टीवी में 30 वॉट स्पीकर, डॉल्बी विजन, 4के रिजॉल्यूशन और गूगल टीवी सपोर्ट है। अदिक विकल्पों के लिए एसर कंपनी के 55 इंच टीवी पर 55 फीसदी की छूट मिल रही है जिसे 32,999 रुपये में खरीद सकते हैं।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह तेजी रही सेंसेक्स 79,802 पर और निफ्टी 24,131 पर बंद

मुंबई

वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों, महाराष्ट्र में स्थायी सरकार की उम्मीद और जियोपॉलीटिकल तनाव कम होने से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट की वजह से शेयर बाजार में साप्ताहिक आधार पर लगातार दूसरे सप्ताह तेजी देखी गई। बीते पांच दिनों पर शेयर बाजार की चाल पर नजर डालें तो महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के परिणामों के बाद सोमवार को शेयर बाजार खुलने पर अच्छी बढ़त दिखी। हफ्ते को पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स सेंसेक्स 1,249.86 अंक चढ़कर 80,315.02 पर खुला और 992.74 अंक उछलकर 80,109.85 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 379.71 अंक मजबूत होकर 24,286.95 पर खुला और 314.65 अंक बढ़कर 24,221.90 अंक पर बंद हुआ। ताजा विदेशी फंड प्रवाह और अमेरिकी बाजारों में मजबूत रुझानों के बीच मंगलवार के शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त जारी रही। बीएसई का सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 372.51 अंक चढ़कर 80,482.36 अंक पर खुला और 105.79 अंक गिरकर 80,004.06 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 121.4 अंक चढ़कर 24,343.30 अंक पर खुला और 27.40 अंक गिरकर 24,194.50 अंक पर बंद हुआ। अमेरिका में लगाए गए आरोपों को अदाणी समूह की ओर से नकारे जाने के बाद बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 166.1 अंक चढ़कर 80,170.16 अंकों पर खुला और 230.02 अंक चढ़कर 80,234.08 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 74.35 अंक की बढ़त के साथ 24,268.85 अंकों पर खुला और 80.40 अंक बढ़कर 24,274.90 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 95 अंक चढ़कर 80,329.08 अंकों पर खुला और 1,190.34 अंक गिरकर 79,043.74 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 48.15 अंक की बढ़त के साथ 24,323.05 अंकों पर खुला और 360.75 अंक गिरकर 23,914.15 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार मजबूती के साथ कारोबार करता दिखा। शुक्रवार को सेंसेक्स 759.87 अंकों की बढ़त के साथ 79,837.50 पर खुला और 759.05 अंक चढ़कर 79,802.79 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 223.40 अंक चढ़कर 24,137.55 पर खुला और 216.95 अंक चढ़कर 24,131.10 पर बंद हुआ।

पाम ऑयल की दर बढ़ने से साबुन महंगा हुआ

नई दिल्ली

हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और विप्रो जैसी बड़ी कंपनियां ने पाम ऑयल की बढ़ती कीमतों की वजह से साबुन के भाव 7-8 फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। पाम ऑयल, साबुन निर्माण में एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है और इस बढ़ोतरी का सीधा प्रभाव सीधे ग्राहकों की जेबों पर दिख रहा है। सिर्फ साबुन ही नहीं, एचयूएल और अन्य कंपनियां चाय की कीमतों में भी इजाफा कर रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे माल की कीमतों में इजाफे की वजह से कंपनियां कीमतें बढ़ा रही हैं।

नहाने वाले साबुन की कीमतों में 7-8 फीसदी का उछाल

पाम ऑयल, कॉफी, और कोको जैसे कच्चे माल की कीमतों में उछाल का असर देखने को मिल रहा है। विप्रो कंज्यूमर केयर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इंडस्ट्री के सभी बड़े ब्रांड्स ने लगभग 7-8 फीसदी की मूल्य वृद्धि की है।

विप्रो कंज्यूमर केयर भी साबुन की कीमतों में संशोधन किया है। पाम ऑयल की कीमतें सितंबर से लगभग 35-40 फीसदी तक बढ़ चुकी हैं। इसे उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ने की संभावना है, खासकर साबुन और चाय के दामों में।

एचयूएल और विप्रो जैसी कंपनियां इस बढ़ोतरी का सीधा असर उपभोक्ताओं की जीवनशैली पर देख रही हैं। इस महंगाई तंत्र से सबसे ज़्यादा प्रभावित होंगे दलित वर्ग के लोग, जिनकी आर्थिक स्थिति पहले ही कमजोर है। अब उन्हें और भी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

गुरुग्राम में कलेक्टर रेट में बढ़ोतरी, संपत्ति खरीदना होगा महंगा, नए कलेक्टर रेट एक दिसंबर से प्रभावी होंगे

नई दिल्ली

देश के सबसे महंगे शहरों में शुमार गुरुग्राम में अब संपत्ति खरीदना और भी महंगा हो गया है। गुरुग्राम प्रशासन ने कलेक्टर रेट में 10 से 30 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। यह नए कलेक्टर रेट एक दिसंबर से प्रभावी होंगे और 31 मार्च तक लागू रहेंगे।

इस बढ़ोतरी का कारण बताया गया है कि गुरुग्राम के अधिकांश क्षेत्रों में सर्कल रेट में 10 से 20 फीसदी तक की वृद्धि होगी, जबकि शहर के प्रमुख और महंगे क्षेत्रों में वृद्धि 30 फीसदी तक होगी। एक अधिकारी ने बताया कि इन क्षेत्रों में बाजार मूल्य को देखते हुए यह वृद्धि जरूरी थी।

नए कलेक्टर रेट जिले की आधिकारिक वेबसाइट गुरुगांवडाटतजीओवीडाटइन पर भी उपलब्ध होंगे। सरकार ने प्रदेश स्तर पर कलेक्टर रेट बढ़ाने की घोषणा कुछ दिन पहले की थी और इसे राज्य सरकार और राजस्व विभाग ने मंजूरी दी है। अधिकारी ने कहा कि बदलाव की सिफारिश जिला स्तरीय समिति द्वारा की जाती है, जो बाजार का गहन अध्ययन करने के बाद अपनी सलाह देती है। सर्कल रेट में इस बढ़ोतरी का आधार बाजार शोध और इलाकों की संपत्ति की कीमतों पर रखा गया है।

ओडिशा में आलू की कीमतों में तेज़ बढ़ोतरी, पश्चिम बंगाल द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से ट्रक फंसे

भुवनेश्वर

ओडिशा में पिछले दो दिनों में आलू की कीमतों में तेज़ बढ़ोतरी की गई है और यह समस्या पश्चिम बंगाल द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से उत्पन्न हुई है। अनुमान लगाया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल द्वारा राज्य में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते सैकड़ों ट्रक ओडिशा-बंगाल सीमा पर फंसे हुए हैं। व्यापारियों का कहना है कि आलू की कीमत पहले 30-33 रुपए प्रति किलोग्राम थी जो अब 40 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। यह स्थिति उपभोक्ताओं को परेशान कर रही है और अगर आपूर्ति त्वरित नहीं हुई तो कीमतें और बढ़ सकती हैं। ओडिशा ट्रेडर्स एसोसिएशन ने राज्य सरकार से तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है और खाद्य आपूर्ति और उपभोक्ता कल्याण मंत्री कृष्णचंद्र पात्रा ने बताया कि सरकार अब पंजाब और उत्तर प्रदेश से आलू आने की कोशिश कर रही है। अब ओडिशा को प्रतिदिन 4500 टन आलू की आवश्यकता है

जिसका बड़ा हिस्सा पश्चिम बंगाल से आता है। सरकार ने आपूर्ति संकट को हल करने के प्रयास किए हैं, लेकिन इसकी समाधान से दूर होने की संभावना है। बढ़ी हुई कीमतों ने आम उपभोक्ताओं की परेशानियों को बढ़ा दिया है और इस समस्या का समाधान जल्दी से जल्दी होना चाहिए।

प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप देश के हर गांव में लखपति दीदी होनी चाहिए : सीतारमण

वित्त मंत्री ने 50,294 लाभार्थियों को 1,121 करोड़ रुपये के ऋण भी किए वितरित

मबुधनी/नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि देश के हर गांव में लखपति दीदी होनी चाहिए। उसके लिए बैंको को जो काम करना है, वो कर रहे है। हर स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सहायता और ट्रेनिंग दी जा रही है।

बिहार के मधुबनी में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम के दौरान जनता को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि मेरा सभी से अनुरोध है कि बैंकों के जरिए जो

योजनाएं भारत सरकार लायी है, वो उनका हिस्सा बनें और लाभ उठाएं, जिससे सब लोग और सक्षम बन सकें। इस अवसर पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विभिन्न बैंकों द्वारा 50,294 लाभार्थियों को 1,121 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए।

मधुबनी में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम के दौरान 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के कुछ वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) कार्ड भी प्रदान किए गए। इससे पहले निर्मला सीतारमण ने बिहार के मधुबनी में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर संसद सदस्य संजय कुमार झा, रामप्रीत मंडल, अशोक कुमार यादव और फैयाज अहमद भी उपस्थित थे क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम में संसद सदस्य रामप्रीत मंडल, संजय कुमार झा, डॉ. अशोक कुमार यादव और विधान सभा सदस्य विनोद नारायण झा, सुधांशु शेखर और घनश्याम ठाकुर भी शामिल हुए। इसके अलावा वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू, नाबार्ड के अध्यक्ष के.वी. शैजी; सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एमडी एम.वी. राव, सिडबी के सीएमडी मनोज मित्तल, डीएफएस के अतिरिक्त सचिव एम.पी. तंगिराला और एसबीआई के डीएमडी सुरिंदर राणा ने भी क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम में भाग लिया। इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बिहार के उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और राज्यसभा सदस्य संजय झा के साथ मधुबनी में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम के दौरान स्टालों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उन स्टॉल मालिकों के साथ बातचीत की जिन्हें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभ हुआ है।

केन विलियमसन 9000 टेस्ट रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बने

क्राइस्टचर्च

स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन ने शनिवार को रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया है। वह 9,000 टेस्ट रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के पहले क्रिकेटर बन गए हैं।

उन्होंने क्राइस्टचर्च में इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। चोट से वापसी करने के बाद केन विलियमसन ने क्राइस्टचर्च टेस्ट में दमदार प्रदर्शन किया।

34 वर्षीय खिलाड़ी ने न्यूजीलैंड की दूसरी पारी में 86 गेंदों पर 61 रनों की पारी खेली। 36वें ओवर में क्रिस वोक्स द्वारा उन्हें आउट करने के बाद उनकी पारी का अंत हुआ। इससे पहले पहली पारी में कीवी बल्लेबाज ने 47.21 की स्ट्राइक रेट से 197 गेंदों पर 93 रन बनाए थे।

टेस्ट मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। विलियमसन के 93 और फिलिप्स 58 रनों की जुझारू पारी की बदौलत कीवी टीम ने अपनी पहली पारी में 348 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए ब्राइडन कार्स और शोएब बशीर ने 4-4 विकेट लिए।

जवाब में इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक की 197 गेंदों में 171 रनों की शानदार पारी और बेन स्टोक्स के 80 रनों की बदौलत अपनी पहली पारी में 499 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए नाथन स्मिथ ने 3 और मैट हेनरीने 4 विकेट लिए।

लीसेस्टर सिटी के नए कोच नियुक्त हुए रूड वान निस्टेलरॉय

लंदन। लीसेस्टर सिटी ने शुक्रवार को रूड वान निस्टेलरॉय को जून 2027 के अंत तक अनुबंध के साथ अपना नया प्रथम टीम कोच नियुक्त किया। पूर्व स्ट्राइकर ने पीएसवी आइंडहोवन को कोचिंग दी है, वह मैनचेस्टर यूनाइटेड में एरिक टेन हैग के सहायक थे, टेन हैग की बर्खास्तगी के बाद अंतरिम बॉस के रूप में ओल्ड ट्रैफर्ड में प्रभारी के रूप में चार में से तीन मैच जीते, इसके बाद उन्होंने दो सप्ताह पहले क्लब छोड़ दिया। उन्हें स्टीव कूपर की जगह लेने का काम सौंपा गया है, जिन्होंने पिछले सप्ताहांत में चेल्सी के खिलाफ घरेलू मैदान पर लीसेस्टर की 2-1 की हार के बाद अपनी नौकरी खो दी थी, जबकि वे केवल 12 प्रीमियर लीग मैच ही प्रभारी के रूप में खेल पाए थे। कोच नियुक्त किये जाने पर निस्टेलरॉय ने कहा, मुझे गर्व है, मैं उत्साहित हूँ ... लीसेस्टर सिटी के बारे में मैं जिस किसी से भी बात करता हूँ, वे सभी उत्साही हैं। उनके पास क्लब में काम करने वाले लोगों, समर्थकों की गुणवत्ता के बारे में शानदार कहानियाँ हैं और निश्चित रूप से, क्लब का हालिया इतिहास प्रभावशाली है। निस्टेलरॉय, जिनका पहला मैच 3 दिसंबर को घरेलू मैदान पर वेस्ट हैम के साथ होगा, ने कहा, मैं शुरुआत करने, सभी को जानने और फुटबॉल क्लब के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उत्साहित हूं।

न्यूज ब्रीफ

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए हेजलवुड, एबॉट और डॉगेट टीम में शामिल

नई दिल्ली। जोश हेजलवुड साइड स्ट्रेन के कारण भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। सीन एबॉट और ब्रेंडन डॉगेट, जो दोनों टेस्ट स्तर पर अनकैप्ड हैं, को ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है, हालांकि डे-नाइट टेस्ट के लिए इलेवन में हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड को शामिल किया जा सकता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एक बयान में कहा गया है कि हेजलवुड को बाईं ओर हल्की चोट है और वह अपनी रिकवरी के लिए एडिलेड में टीम के साथ रहेंगे। हेजलवुड पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे जिन्होंने 34 ओवर में 57 रन देकर 5 विकेट लिए। पिछले साल एशेज में हेडिंग्ले के बाद से यह पहला टेस्ट होगा जिसे हेजलवुड ने मिस किया है। पिछले साल एशेज में उन्हें लगातार कई चोटें लगी थीं - जिसमें दो साइड स्ट्रेन भी शामिल थे - जबकि उन्हें विभिन्न उपमहाद्वीपीय दौरों पर परिस्थितियों के कारण भी बाहर रखा गया था। दिसंबर 2021 और जून 2023 के बीच उन्होंने सिर्फ़ चार टेस्ट खेले। अगर बोलैंड की वापसी होती है तो उम्मीद के मुताबिक लीड्स में एशेज गेम में हेजलवुड की जगह खेलने के बाद यह उनका पहला टेस्ट होगा। घरेलू मैदान पर उनका रिकॉर्ड शानदार है, उन्होंने छह मैचों में 12.21 की औसत से 28 विकेट लिए हैं। पिछले सीजन में पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ने सभी सात टेस्ट मैचों में बिना किसी बदलाव के गेंदबाजी आक्रमण के साथ जीत हासिल की थी और पिछले हफ्ते पर्थ टेस्ट में लगातार 10वें टेस्ट में हेजलवुड, पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क ने एक साथ गेंदबाजी की थी। ऑस्ट्रेलिया की सफेद गेंद वाली टीमों में नियमित रूप से खेलने वाले एबॉट को अक्सर टेस्ट कैप न मिलने के कारण दुर्भाग्यशाली माना जाता है। इस बीच, डॉगेट के लिए यह राष्ट्रीय टीम में वापसी का एक शानदार मौका है, क्योंकि उन्हें 2018 में यूएई में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए चुना गया था।

केसीसी फाइटनाइट के लिए लखनऊ पहुंचे फाइटर्स, एक दिसम्बर को होगा मुकाबला

लखनऊ। नवाबों के शहर में होने वाले मिक्स्ड मार्शल आर्ट (एमएमए) के रोमांचक मुकाबले केसीसी फाइटनाइट की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इस फाइट में अपनी चुनौती पेश करने को तैयार देश के शीर्ष एमएमए फाइटर में शुमार राना रूद्र प्रताप सिंह सहित अन्य विश्व स्तरीय फाइटर लखनऊ पहुंच गए और एक दिसंबर को चौक स्टेडियम के बहुउद्देश्यीय हाल में होने वाले मुकाबले को लेकर सर्वश्रेष्ठ एक्शन का लखनऊ वासियों से वादा किया। मार्शल आर्ट के प्रति समर्पण और जुनून से प्रेरित संस्था कॉम्बैट क्रीड चैंपियनशिप (केसीसी) के तत्वावधान में होने वाली चैंपियनशिप में शनिवार 30 नवंबर 2024 को शाम पांच बजे से इन सभी 16 फाइटर्स का वजन किया जाएगा और फाइटर एक-दूसरे से रूबरू होंगे। इस फाइट में अंकों के अलावा नाकआउट और सबमिशन के आधार पर विजेता का फैसला हो सकता है। केसीसी फाइटनाइट में मार्शल आर्ट की विभिन्न शैलियों जैसे कराटे, किकबॉक्सिंग, जि-जित्सु, ताइक्वांडो आदि के फाइटर्स के रोमांचक फाइटिंग स्टाइल और तकनीक से फाइटर्स लोगों को रोमांचित करने के लिए तैयार है।

भारत-पीएम एकादश मैचः पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ा, अब 50-50 ओवर का होगा मुकाबला

कैनबरा। यहां लगातार हो रही बारिश के कारण भारत और प्रधानमंत्री एकादश के बीच गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले दो दिनी अभ्यास मैच का पहला दिन रद्द कर दिया गया। अब रविवार को 50-50 ओवर का मैच खेला जाएगा। हल्की बूंदाबांदी हुई और फिर धीरे-धीरे हवा के साथ तेज बारिश में बदल गई, बारिश के रुकने के बाद ग्राउंड स्टाफ ने कड़ी मशक्कत की। हालांकि उनके प्रयासों पर बारिश ने पानी फेर दिया। मैदान में प्रधानमंत्री एकादश और मेहमान भारतीय टीम मौजूद थी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज बिना किसी शोर-शराबे के मैदान में आए, अपनी टीम को कैप सौंपी, रोहित शर्मा की टीम से बातचीत की, ग्रुप फोटो खिंचवाई और चले गए। भारतीय खिलाड़ी भी कुछ देर बाद अपने होटल की ओर रवाना हो गए।

हॉकी इंडिया लीग 2024-25 का आधिकारिक प्रसारण भागीदार बना दूरदर्शन

नई दिल्ली

भारतीय खेलों को बढ़ावा देने की अपनी विरासत के लिए प्रसिद्ध, दूरदर्शन देश भर के लाखों दर्शकों के लिए हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) का रोमांचक एक्शन लेकर आएगा। दूरदर्शन ने शनिवार को हॉकी इंडिया लीग के साथ साझेदारी किया है, ताकि हॉकी को घर-घर पहुंचाया जा सके और इस सुंदर खेल के खिलाड़ियों को देश में जाना-पहचाना नाम बनाया जा सके। एचआईएल 28 दिसंबर 2024 से शुरू हो रहा है। इस साल का संस्करण ऐतिहासिक है क्योंकि यह महिला हॉकी इंडिया लीग के उद्घाटन सत्र के साथ-साथ बहुप्रतीक्षित पुरुष प्रतियोगिता का भी प्रतीक है।

इस लीग में 8 पुरुष टीमें और 4 महिला टीमें भाग लेंगी, जो राउरकेला और रांची में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिसमें भारत और दुनिया भर से शीर्ष स्तर की प्रतिभाएँ दिखाई देंगी। महिला लीग का जुड़ना हॉकी इंडिया की खेलों में लैंगिक समावेशिता को आगे बढ़ाने और एक बड़े मंच पर महिला हॉकी को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रसार भारती के अध्यक्ष नवनीत सहगल ने कहा, प्रसार भारती को हॉकी इंडिया लीग के साथ साझेदारी करने का सौभाग्य मिला है, जो एक ऐसा मंच है जो हमारे राष्ट्रीय खेलों का जश्न मनाता है और विभिन्न श्रेणियों के लोगों को जोड़ता है। हमारे व्यापक कवरेज के माध्यम से, हमारा लक्ष्य हॉकी की रोमांचक भावना को हर जगह दर्शकों तक पहुँचाना, शहरी और ग्रामीण विभाजन को पाटना और लीग के प्रभाव को बढ़ावा देना है, जिसमें महिला एचआईएल का ऐतिहासिक पदार्पण भी शामिल है।

प्रसार भारती के सीईओ गौरव द्विवेदी ने कहा, टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में लगातार दो पदक जीतने के साथ, भारतीय खेल प्रेमियों को विश्वास है कि भारतीय हॉकी का स्वर्ण युग वापस आ रहा है। सार्वजनिक प्रसारक के रूप में दूरदर्शन इस साझेदारी के माध्यम से इस व्यापक दृष्टिकोण में योगदान देने के लिए तत्पर है। इसका उद्देश्य हॉकी उत्पादन और प्रसारण को वैश्विक खेल मानकों तक बढ़ाना है। दुनिया भर के खेल प्रेमी अब डीडी स्पोर्ट्स और वेव्स- प्रसार भारती के हाल ही में लॉन्च किए गए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भारतीय हॉकी लीग, पुरुष और महिला दोनों देख सकते हैं। 28 दिसंबर, 2024 से शुरू होने वाले प्रसारण के लिए बने रहें।

इस भागीदारी को लेकर एचआईएल की संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा, हम हॉकी इंडिया लीग के आधिकारिक प्रसारणकर्ता के रूप में दूरदर्शन के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं। यह वर्ष महिला एचआईएल के लॉन्च के साथ विशेष रूप से खास है, जो महिला हॉकी को बढ़ावा देने में एक ऐतिहासिक कदम है। दूरदर्शन की खेलों के प्रति अद्वितीय पहुंच और प्रतिबद्धता हॉकी को देश के हर कोने तक ले जाने के हमारे दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य लाखों लोगों को प्रेरित करना और एचआईएल को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाना है।

एचआईएल की संचालन समिति के सदस्य भोला नाथ सिंह ने कहा, हॉकी हमारे लिए सिर्फ एक खेल से कहीं बढ़कर है - यह हमारी एकता और गौरव का प्रतीक है। इस सीजन में महिला एचआईएल का जुड़ना महिला एथलीटों के लिए समानता और मान्यता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। दूरदर्शन के साथ हमारे भागीदार के रूप में, हम एचआईएल का एक शानदार सीजन पेश करने के लिए तैयार हैं। %हॉकी हमें जोड़ती है, और यह भागीदारी उस बंधन को मजबूत करती है।

अब, देश भर के प्रशंसक - भारत के हर नुक्कड़, कोने और गाँव से - दूरदर्शन पर हॉकी इंडिया लीग के सभी मैचों का सीधा प्रसारण देख सकेंगे, जिससे देश भर के हॉकी प्रेमियों के लिए निर्बाध पहुँच सुनिश्चित होगी।

एक ऐतिहासिक कदम के रूप में, हॉकी इंडिया के साथ दूरदर्शन की साझेदारी सभी राष्ट्रीय चैंपियनशिप तक विस्तारित हो गई है। आगे चलकर, विभिन्न श्रेणियों में सभी हॉकी इंडिया राष्ट्रीय चैंपियनशिप, साथ ही हॉकी इंडिया के स्वामित्व वाले भारत के सभी हॉकी कार्यक्रम डीडी पर प्रसारित किए जाएँगे।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर सोत्सोबे, त्सोलेकिले, मभालती भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटरों लोनवाबो सोत्सोबे और थामी त्सोलेकिले के साथ-साथ टाइटन्स के पूर्व गेंदबाज इथी मभालती को गिरफ्तार किया गया है और उन पर भ्रष्ट गतिविधियों की रोकथाम एवं प्रतिरोध अधिनियम, 2004 की धारा 15 के तहत भ्रष्टाचार के पांच आरोप लगाए गए हैं।

उन पर अधिनियम की धारा 15 के तहत आरोप लगाए गए हैं, जो खेल आयोजनों से संबंधित भ्रष्ट गतिविधियों से संबंधित है, जिसमें किसी अन्य व्यक्ति से किसी ऐसे कार्य में शामिल होने के लिए रिश्वत लेना या देने की पेशकश करना शामिल है, जो किसी खेल आयोजन की अखंडता को कमजोर करने या खेल के क्रम को प्रभावित करने की धमकी देता है।

आरोप 2015-16 के रैम स्लैम चैलेंज के इर्द-गिर्द मैच फिक्सिंग की कहानी से जुड़े हैं। ये तीन खिलाड़ी उन सात खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें घरेलू टी20 टूर्नामेंट के दौरान मैच फिक्स करने के प्रयासों में शामिल होने के लिए 2016 और 2017 में क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा प्रतिबंधित किया गया था। गुलाम बोदी पहले ही जेल में हैं, जबकि जीन सिम्स और पुमी मात्शिकवे को क्रमशः 2021 और 2022 में दोषी ठहराए जाने के बाद निलंबित सजा दी गई थी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने खेल में उनकी संलिप्तता के कारण सभी खिलाड़ियों पर दो से 12 साल का प्रतिबंध भी लगाया है। भ्रष्ट गतिविधियों की रोकथाम और मुकाबला अधिनियम 2000 में हैंसी क्रोनजे मैच फिक्सिंग कांड के बाद लागू हुआ था, और यह समझा जाता है कि यह पहली बार है जब इसका इस्तेमाल खिलाड़ियों पर अपराध के आरोप लगाने के लिए किया जा रहा है। हॉक्स के नाम से जाने जाने वाले प्राथमिकता अपराध जांच निदेशालय (डीपीसीआई) द्वारा जांच के बाद आरोप लगाए गए हैं, जो संगठित और आर्थिक अपराध की जांच करने वाली दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा की एक विशेष शाखा है। डीपीसीआई के राष्ट्रीय प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल गॉडफ्रे लेबेया ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा, भ्रष्टाचार खेल की अखंडता को कमजोर करता है, और हॉक्स समाज के सभी क्षेत्रों में निष्पक्षता और व्यावसायिकता के मूल्यों की रक्षा करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

सैयद मोदी इंटरनेशनल 2024: पीवी सिंधु, ध्रुव-तनिषा की जोड़ी फाइनल में

लखनऊ

शीर्ष वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने शनिवार को बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 300 टूर्नामेंट सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सिंधु ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में युवा उन्नति हुड्डा पर आसान जीत दर्ज की।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने 17 वर्षीय हुड्डा को 35 मिनट में 21-12, 21-9 से हराया। 29 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी का सामना फाइनल में थाईलैंड की लालिनरत चाइवान या चीन की लुओ यू वू से होगा।

मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो ने चीन के झोउ झी होंग और यांग जिया यी पर 21-16, 21-15 से जीत के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की। बाद में, तनिषा महिला युगल सेमीफाइनल में अश्विनी पोनप्पा के साथ मैदान में उतरेंगी।

लक्ष्य सेन, प्रियांशु राजावत, महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, पुरुष युगल जोड़ी पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय-के और साई प्रतीक व ईशान भटनागर-शंकर प्रसाद उदयकुमार भी शनिवार को खेलेंगे।

सर्वश्रेष्ठ फीफा खिलाड़ी पुरस्कार 2024 : विनिसियस जूनियर, कार्वाजल,एमबाप्पे नामितों में शामिल

नई दिल्ली

फीफा ने शुक्रवार को 2024 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामितों की घोषणा की, जिसमें विनीसियस जूनियर, दानी कार्वाज़ल, जूड बेलिंगहैम, किलियन एमबाप्पे, फेडे वाल्वरडे और टोनी क्रूस जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

बार्सिलोना की ऐताना बोनमती महिला पुरस्कार के लिए नामितों में सबसे आगे हैं।

पुरस्कार समारोह की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। विनीसियस जूनियर और उनके रियल मैड्रिड टीम के साथी रॉड्री अब एक और मुकाबले के लिए तैयार हैं।

रॉड्री, जिन्होंने मैनचेस्टर सिटी के ऐतिहासिक चौथे लगातार प्रीमियर लीग खिताब और स्पेन की यूरो 2024 जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जहां उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नामित किया गया था, एक मजबूत पसंदीदा हैं।

विनीसियस जूनियर रॉड्री के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतिद्वंद्वी हैं, जिन्होंने पिछले सीजन में सभी प्रतियोगिताओं में 24 गोल किए और 11 सहायता प्रदान की। उनका प्रदर्शन रियल मैड्रिड की ला लीगा जीत और बोरुसिया डॉर्टमुंड के खिलाफ चैंपियंस लीग फाइनल जीत में महत्वपूर्ण था, जहां उन्होंने दूसरा गोल किया।

रियल मैड्रिड की मौजूदगी शॉर्टलिस्ट में मजबूत है, जिसमें छह खिलाड़ी नामित हैं, जिनमें हाल ही में सेवानिवृत्त हुए टोनी क्रूस और किलियन एमबाप्पे शामिल हैं। मैनचेस्टर सिटी के एरलिंग हैलैंड और इंटर मियामी के लियोनेल मेसी, जो पिछले साल के विजेता थे, भी दावेदारों में शामिल हैं। 2024 कोपा अमेरिका में अर्जेंटीना को जीत दिलाने वाले मेसी फुटबॉल की दुनिया में एक मजबूत उपस्थिति बनाए हुए हैं। फीफा बेस्ट मेन्स सेलेक्शन में उल्लेखनीय रूप से क्रिस्टियानो रोनाल्डो अनुपस्थित हैं, जिन्होंने हाल ही में 900 करियर गोल को पार किया है। पिछले सीजन में सऊदी प्रो लीग में अल नासर के लिए अपने रिकॉर्ड-तोड़ 35 गोल के बावजूद, रोनाल्डो ने केवल सर्वश्रेष्ठ फारवर्ड्स की लिस्ट में जगह बनाई है।

यूएसपीएलः मैरीलैंड मेवरिक्स फाइनल में, एलिमिनेटर में न्यूयॉर्क काउबॉय का सामना न्यू जर्सी टाइटंस से

फ्लोरिडा

श्रेयस मोव्वा की मात्र 10 गेंदों पर 26 रनों की लुभावनी पारी ने मैरीलैंड मेवरिक्स को न्यू जर्सी टाइटंस पर 3 विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। इस जीत की बदौलत मेवरिक्स की टीम ने यूनाइटेड स्टेट्स प्रीमियर लीग (यूएसपीएल) सीजन 3 के फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया।

फ्लोरिडा के ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में मैरीलैंड मेवरिक्स को 13 गेंदों पर 26 रनों की जरूरत थी फिर मोव्वा ने आकर खेल का रुख ही पलट दिया और चौकों छक्कों की बारिश करते हुए टीम को फाइनल में पहुंचा दिया। इस मैच जिताऊ पारी के लिए मोव्वा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टॉस जीतकर मैरीलैंड मेवरिक्स ने गेंदबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यू जर्सी टाइटन्स ने मजबूत शुरुआत की और सलामी बल्लेबाज सुजीत गौड़ा और जोश कॉब ने पहले 7 ओवर में 68 रन जोड़े। हालाँकि, मेवरिक्स के कप्तान शुभम रंजने ने दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर दिया। इसके बाद हम्माद आजम और जोशुआ जेम्स ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन तेजी से रन बनाने के चक्कर में उन दोनों को भी पवेलियन वापस लौटना पड़ा।170 रन के पार जाते-जाते न्यू जर्सी टाइटंस ने 9 विकेट खो दिए। अंत में अर्जुन महेश के कुछ अच्छे शॉट्स की बदौलत टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 175 रनों का स्कोर खड़ा किया। जवाब में मैरीलैंड मेवरिक्स ने ड्वेन स्मिथ के आक्रामक 17 रनों की बदौलत लय तो सही पकड़ी, लेकिन इसी जल्दबाजी के चलते 7 वां ओवर आते-आते 48 रन पर 3 विकेट खो दिए। जिसके बाद सैतेजा मुकम्मला और शुभम रंजने ने 54 रन की साझेदारी करके पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन 15वें ओवर तक 116 के स्कोर पर टीम ने 2 और विकेट खो दिए। सुजीत नायक और भास्कर यादराम ने लय बरकरार रखने की कोशिश की, लेकिन अंतिम ओवरों में रन रेट बढ़ाने के चक्कर में आउट हो गए। हालाँकि श्रेयस मोव्वा तो कुछ और ही सोच के बैठे थे। उनके आतिशी 10 गेंदों में 26 रन की मदद से मैरीलैंड मेवरिक्स ने 1 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। न्यू जर्सी टाइटंस अब सेमीफाइनल एलिमिनेटर में न्यूयॉर्क काउबॉय से भिड़ेगी। टूर्नामेंट में शानदार वापसी करने वाले काउबॉय ने दूसरे सेमीफाइनल में कैरोलिना ईगल्स को हराकर अपने खिताब की उम्मीदों को जिंदा रखा है। दूसरा सेमीफाइनल एलिमिनेटरः न्यूयॉर्क काउबॉय बनाम कैरोलिना ईगल्स न्यूयॉर्क काउबॉयज़ का सफर काफी उतर चढ़ाव भरा रहा है, लेकिन अंतिम मुकाबलों में उन्होंने जिस तरह से वापसी करते हुए अपनी ट्रॉफी की उम्मीदों को बनाए रखा है, वह सच में काबिले तारीफ है। फिलहाल वह पहले एलिमिनेटर मुकाबले में कैरोलिना ईगल्स को 47 रनों से हराकर प्रतियोगिता में बने हुए हैं। इस मुकाबले में काउबॉयज ने 19.5 ओवर में मुख्तार अहमद (50 में 68) और दिलप्रीत बाजवा (17 में 35) रनों की मदद से 148 रनों का लक्ष्य रखा था।

सफलता की होड़ में उधड़ते मानवीय रिश्ते

पश्चिमी संस्कृति के प्रभाव ने हमारे देश में भौतिकवाद को प्रोत्साहन दिया है और अब तो पढ़े लिखे हों या नहीं सभी सुख-सुविधाओं के जाल में फंसते जा रहे हैं। भारतीय अध्यात्म ज्ञान के बारे में जानते सभी हैं पर उसे धारण करना लोगों को अब पिछड़ापन दिखाई देता है। नतीजा यह है कि समाज में आपसी रिश्ते एक औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

सिर्फ सांसारिक शिक्षा काफी नहीं

अक्सर अनेक लोग शिकायत करते हैं कि उनके बच्चे उनसे दूर हो रहे हैं अथवा उनकी देखभाल नहीं करते। इसके दो कारण होते हैं एक तो यह कि नए सामाजिक परिवेश से तालमेल न बिठा पाने के कारण लोग अपने माता-पिता को त्याग देते हैं या फिर वह व्यवसाय के सिलिसले में उनसे दूर हो जाते हैं। दोनों ही स्थितियों का विश्लेषण करने पर अनुभव होगा कि आधुनिक युग के समस्त माता-पिता अपने बच्चों से यह अपेक्षा करते हैं कि वह इस मायावी दुनिया में उच्च से उच्च पद प्राप्त कर, अधिक से अधिक धनार्जन करें और भरपूर मान प्रतिष्ठा की दुनिया में चमककर उनका व अपना नाम रोशन करें। लोग बच्चों की कामयाबी के सपने देखते हैं और केवल सांसारिक शिक्षा तक ही अपने बच्चों को सीमित रखते हैं। किसी तरह अपना पेट पालो यही सिखाते हुए वह ऐसा अनुभव करते हैं कि जैसे कि वह दुनियां का कोई विशेष ज्ञान दे रहे हैं। यह तो एक सामान्य चतुराई है, जिसे सब जानते हैं।

सभी सुविधाओं के बाद भी अशांत रहता है मन

यह उन माता-पिता का भ्रम है कि शिक्षा तो सभी स्वतः ही प्राप्त करते हैं पर जिन बच्चों को उनके माता-पिता इसके साथ ही अध्यात्म ज्ञान, ईश्वर भक्ति और परोपकार करना सिखाते हैं वह अधिक योग्य निकलते हैं। जब तक आदमी के मन में अध्यात्म का ज्ञान नहीं होगा, तब तक वह न तो स्वयं कभी प्रसन्न रह पाता है और न ही दूसरों को प्रसन्न करता है। आज समस्त सुख सुविधाएं होने के बावजूद भी बहुत सभी लोगों का मन अशांत रहता है, क्योंकि मानव को परमात्मा के ज्ञान का प्रत्यक्ष बोधकर शांति, सत्य, अहिंसा एवं निःस्वार्थ प्रेम का वातावरण स्थापित करने का समय नहीं है। वह तो पैसे कमाने और सफलता की दौड़ में सबसे आगे निकलना चाहते हैं। मनुष्य जीवन में भक्ति और ज्ञान प्राप्त करने की सुविधा मिलती है पर उसका उपयोग नहीं कर हम उसे ऐसे ही नष्ट कर डालते हैं। ऐसे में वह ज्ञानी धन्य है जो दाल-रोटी खाकर पेट भरते हुए भगवान भजन और ज्ञान प्राप्त करने के लिए समय निकालते हैं।

स्मार्ट लुक पाने के लिए चुनें सही चश्मा...

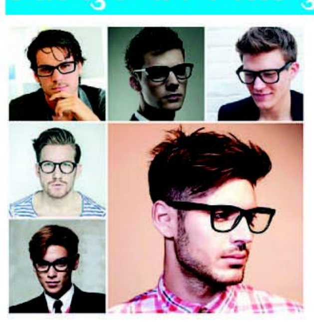

आजकल हर लड़के को चश्मा पहनना पसंद होता है। मार्केट में कई डिजाइन में चश्मे मिल जाते हैं, जो आपको स्मार्ट दिखने में मदद कर सकते हैं। वैसे अगर आप एक सही चश्मे का प्रयोग करते हैं तो उससे आप केवल स्मार्ट ही नहीं लगेंगे बल्कि इससे आपके अन्दर आत्मविश्वास भी आएगा। आप जब भी चश्मा लें तो पहले यह जरूर देख लें कि आपके चेहरे का आकार कैसा है। ज्यादातर चेहरे चार आकार के होते हैं। गोल, आयताकार, ओवल और हार्ट या डायमंड आकार। अगर आप अपने चेहरे के आकार को ध्यान में रख कर चश्मा लेते हैं तो आपको ज्यादा परेशानी नहीं होगी और आप अपने लिए एक सही चश्मे का चुनाव कर सकेंगे। अपने चेहरे के आकार के साथ-साथ आपको इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि आप जो चश्मा ले रहे हैं वो कहीं आपके चेहरे से बड़ा तो नहीं है। अगर आपका चेहरा छोटा है और आप हर समय चश्मा पहने रखते हैं तो हो सकता है बड़े चश्मे आपके चेहरे पर अच्छे न लगें, लेकिन ऐसा नहीं है कि बड़े चश्मे आपके चेहरे पर अच्छे नहीं लगेंगे। आप चाहें तो कभी-कभी अपने लुक में बदलाव करने के लिए बड़े चश्मों का भी प्रयोग कर सकते हैं।

ऑफिस में बने रहें मिस्टर कूल...

ऑफिस में काम करते समय कई बार लोगों को किसी भी बात पर गुस्सा आ जाता है। किसी भी कारण तनाव का माहौल बन जाता है। काम के चलते कुछ न कुछ स्ट्रेस हो जाता है। ऑफिस में अपने डेस्क पर एक छोटे गमले पर हरा पौधा रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि हरा पौधा देखने से मन को शांति मिलती है। एक छोटा हरा पौधा आपके चारों तरफ के माहौल में शांति फैलाता है। जब भी ऑफिस में आपको किसी बात पर गुस्सा आए या फिर काफी थकावट महसूस हो इस हरे पौधे की तरफ देखें एवं अच्छा सोचें। ऑफिस में काम को लेकर आए गुस्से पर काबू पाने के लिए अपनी कुर्सी से उठकर आसपास कुछ देर के लिए टहलें। ऐसा करने से काम से होने वाला स्ट्रेस दूर होता है। मांसपेशियां फैलती हैं और मन में पॉजिटिव विचार आते हैं। काम के फ्रस्टेशन को दूर करने के लिए अपनी कुर्सी पर बैठकर या फिर खड़े होकर आप अपनी बॉडी को स्ट्रेच करें। इसके अलावा आप कुछ हल्की एक्सरसाइज का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। ऑफिस में काम के बीच-बीच में ड्राइ फ्रूट्स खाने से काम से होने वाला स्ट्रेस कम होता है। साथ ही गुस्सा आने पर ड्राइ फ्रूट्स खाने से मेंटल प्रेशर कम होता है और गुस्सा जल्द ही ठंडा हो जाता है।

> पश्चिमी देशों में नीले रंग को युवा लड़कों से जोड़कर देखा जाता है। भौतिक और भौगोलिक क्षेत्र में रंग सबसे सुंदर पहलुओं में से एक है। हम चारों तरफ रंगों से घिरे हुए हैं, लेकिन कितनी बार हम असंख्य रंगों में कई बारीकियों को नहीं देख पाते है। नीले रंग को हमारे यहां भी खास महत्व दिया गया है। रंगों की रहस्यमय रंगीन दुनिया को जानने के लिए वैज्ञानिक और दार्शनिक हमेशा से ही जिज्ञासु रहे है। हाल के दिनों में इस पर बहुत काम हुआ है। हाल ही में हुई रिसर्च में कहा गया है कि अगर आपको तुरंत निर्णय लेने में दिक्कत आती है तो आपको ब्लू लाइट में बैठना चाहिए।

युवाओं का नीला रंग...

रंगों का अपना चमत्कार होता है। उसका शरीर मन और भावना के स्तर पर बहुत प्रभाव होता है। जैसा कि हम सब जानते है कि जीवन पर सूर्य की किरणों का गहरा असर होता है, वैसे ही रंगों का भी असर होता है। वह भी तो प्रकाश ही है। आप स्वयं अनुभव करेंगे कि जिस दिन आकाश बादलों से घिरा रहता है तब अग्नि मंद हो जाती है, शरीर सुस्ताने लग जाता है। धूप होती है, तो आदमी में स्फूर्ति होती है, सूरज के ताप का और प्रकाश का हमारे शरीर पर प्रभाव होता है, वैसे ही रंगों का प्रभाव भी हमारे शरीर और मन पर होता है। वर्तमान में रंगों पर बड़ा महत्वपूर्ण काम हुआ है, अनेक प्रयोग और तथ्य सामने आए हैं। अगर आपको तुरंत निर्णय लेने में दिक्कत आती है तो आपको ब्लू लाइट में बैठना चाहिए। यह बात एक रिसर्च में सामने आई है। छोटी अवधि के लिए नीले रंग की रोशनी से संपर्क आपको कठिन निर्णय लेने में मदद कर सकता है। नीले रंग के प्रकाश में 40 मिनट तक रहने के बाद आप कठिन निर्णय तीव्रता के साथ ले सकते हैं। यूनवर्सिटी ऑफ एरिजोना में इस अध्ययन के शोधकर्ताओं के मुताबिक पिछले अध्ययनों में केवल प्रकाश में रहने की अवधि के दौरान उसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया था, लेकिन यह अध्ययन बताता है कि नीले रंग के प्रकाश के आवरण के लाभकारी प्रभाव 40 मिनट बाद भी रहते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना के अध्ययन के निष्कर्षों के मुताबिक, आधा घंटे के लिए नीले रंग की रोशनी में एक छोटी अवधि का संपर्क अधिक महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया देने के समय में औसत दर्जे का परिवर्तन करने के लिए पर्याप्त है। यह सुधार सीधे तौर पर प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स की सक्रियता में औसत दर्जे के परिवर्तन के साथ जुड़े हैं। नीलापन युक्त सफेद रोशनी कई व्यावसायिक क्षेत्रों जैसे पायलट काकपिट, ऑपरेशन कक्ष और सैन्य कार्यो में काफी इस्तेमाल की जाती है, जहां त्वरित निर्णय लेना महत्वपूर्ण है।

नीले रंग की खूबियां

नीला रंग अपनी विशेष खूबियों के कारण काफी महत्व रखता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए हम तमाम जतन करते हैं। इस मामले में रंग भी हमारी सहायता करते हैं, क्योंकि इनका संबंध स्वास्थ्य, समृद्धि और खुशियों से होता है। नीला रंग आध्यात्मिकता, अंतर्ज्ञान, प्रेरणा और आंतरिक शांति का रंग है। नीले रंग के उपचार में दोनों शारीरिक और मानसिक रूप से, ठंडा और तसल्ली के लिए प्रयोग किया जाता है। नीले रंग के प्रयोग से शांति का अनुभव होता है। नीले रंग का ध्यान करने से शांति मिलती है। इसी तरह बैंगनी रंग शक्ति के साथ सांसारिक और आध्यात्मिक दोनों जुड़ा हुआ है।

नीले रंग के लाभ

फेंगशुई में नीले रंग को प्रगति और सकारात्मक परिवर्तन का रंग बताया गया है। इसका उचित तरीके से प्रयोग किया जाए तो यह घर और उसमें रहने वाले सदस्यों को स्वास्थ्य लाभ कराता है, चिंता से मुक्ति देता है और आर्थिक व बौद्धिक प्रगति प्रदान करता है। नीला रंग जल तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए जल तत्व के सारे गुण इसमें समाहित हैं। नीला रंग पानी की ही तरह चंचल, गतिमान और जीवनदायिनी शक्ति प्रदान करता है। फेंगशुई कहता है कि अगर अपने आसपास के वातावरण में नीले रंग का प्रयोग किया जाए तो यह आपकी इच्छापूर्ति में मदद करता है। यह आपके ठहरे हुए व्यवसाय, करियर या निजी संबंधों को फिर से गति प्रदान करने में सहायक होता है।

ताजे विचार

हल्का नीला रंग उन लोगों के लिए विशेष लाभदायक हो सकता है, जो सृजनात्मक कार्यों से जुड़े हैं। यह रंग ताजा विचारों को प्रोत्साहित करता है। सीखने के इच्छुक लोगों को भी यह रंग अपेक्षित लाभ प्रदान करता है। गहरा नीला रंग शयनकक्ष के लिए उपयुक्त रंग माना जाता है। शयनकक्ष में गहरा नीला रंग तनावमुक्त, गहरी और सुकूनभरी नींद प्रदान करता है। इस रंग की एक और खासियत है कि यह ब्लड प्रेशर के मरीजों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। नीला रंग ब्लड प्रेशर को सामान्य रखने में मददगार होता है। ऐसा माना जाता है कि रंगों का जन्म लगभग 2000 ईसा पूर्व हुआ। धीरे-धीरे रंगों की छटा पूरे विश्व में फैल गयी। भारत में प्रारंभिक काल से ही रंगों का विशेष महत्व रहा है। मोहन जोदड़ों एव हड़प्पा की खुदाई में सिंधु घाटी सभ्यता में रंगीन बर्तन एवं मूर्तियां पाई गई।

मिस्र में नीला रंग

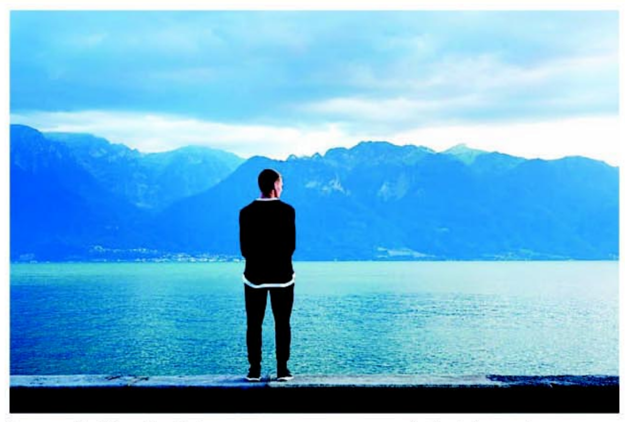

प्राचीन मिस्र में रंगो का उपयोग 'उपचार रंग' के रूप में भी किया गया। मिस्र निवासी सूर्य की उपासना किया करते थे। उनका मानना था कि सूर्य के प्रकाश के बिना जीवन असंभव है। उन्होंने प्रकृति के रंगों के मुताबिक ही अपने मंदिरों को भी रंगा था। नीले आसमानी रंग से उनको काफी लगाव था। इनके कक्ष भी विभिन्न रंगों से सजे होते थे। आधुनिक चिकित्सा पद्धति को प्राचीन प्रकाश चिकित्सा से जोड़ कर देखा गया। रंगों की रहस्यमय रंगीन दुनिया को जानने के लिए वैज्ञानिक और दार्शनिक हमेशा से ही जिज्ञासु रहे। इसका सटीक अध्ययन सबसे पहले न्यूटन ने किया। उन्होंने यह कहकर सनसनी फैला दी कि रंग एक नहीं सात होते हैं। इसको प्रमाणित करने के लिए उन्होंने एक प्रयोग किया जिसमें एक अंधेरे कमरे में छोटे से छेद द्वारा सूर्य का प्रकाश आता था। यह प्रकाश एक प्रिज्म कांच द्वारा अपवर्तित होकर सफेद पर्दे पर पड़ता था। पर्दे पर सफेद प्रकाश के स्थान पर इद्रधनुष के सात रंग दिखाई दिए। ये रंग लाल, नारंगी, पीला, हरा, आसमानी, नीला तथा बैंगनी हैं। जब न्यूटन ने प्रकाश के मार्ग में एक और प्रिज्म पहले प्रिज्म से उलटा रखा, तो इन सात रंगों का प्रकाश मिलकर पुनः सफेद रंग प्रकाश बन गया। इन्हीं सात रंगों को इन्द्रधनुष नाम से जाना जाता है। सौ साल पहले पश्चिम में औद्योगिकरण की क्रांति ने कपड़ा उद्योग को तेजी से रफ्तार दी। जिससे रंगो की मांग बढ़ गई। प्राकृतिक रंगों के साधन भी सीमित थे। मांग और पूर्ति के आकड़े को देखते हुए कृत्रिम रंगो की खोज शुरू हुई। उन्हीं दिनों रॉयल कालेज ऑफ केमिस्ट्री, लंदन में विलियम पार्कीसन एनीलीन से मलेरिया की दवा कुनैन बनाने में जुटे हुए थे। कई प्रयोगो के बाद कुनैन तो बना नहीं लेकिन बैंगनी रंग जरूर बन गया। 1856 ई. में संयोगवश तैयार हुए इस रंग को मोव कहा गया। इस क्रम में 1860 में रानी रंग, 1862 में एनलोन नीला और काला 1865 में विस्माई भूरा, 1880 ई में सूती काला जैसे रासायनिक रंग उत्पन्न हुए। शुरुआत में यह रंग तारकोल की सहायता से बनाये जाते थे बाद में रासायनिक पदार्थो का प्रयोग किया जाने लगा। जर्मन रसायनशास्त्री एडोल्फ फोन ने 1865 में तमाम असफलताओं से जूझते हुए नील बनाने में सफलता प्राप्त की। जिसके लिए उन्हें 1905 ई. में नोबल पुरुस्कार से सम्मानित किया गया।

आपकी जींस असली है या नकली?

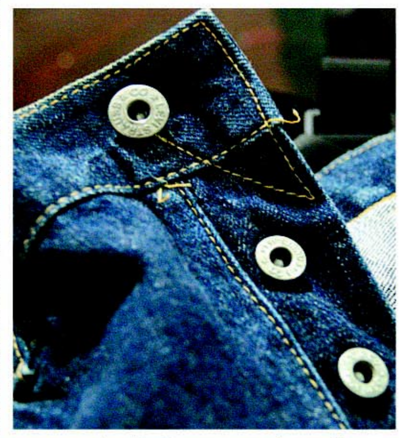

आज के दौर में हर इंसान फैशन के साथ ब्रांडेड कपंनी के कपड़ों के पीछे भागता है जिसके लिए वह बड़ी कीमत देने को भी तैयार रहता है। ब्रांडेड कपड़े परफेक्ट लुक के साथ उभरते भी है। इसलिए लोग इनके पीछे ज्यादा भागते है, लेकिन अक्सर देखा जाता है कि सही कीमत देने के बाद भी हम ब्रांडेड कपड़ों की खरीददारी करते समय धोखा खा ही जाते है। क्योंकि असली जैसी दिखने वाली ब्रांडेड चीज भी नकली हो सकती है। इसलिए आज हम आपको ऐसी जानकारी से अवगत करा रहे हैं। ब्रांड लेविस की जीन्स के बारे में जिसकी असलियत की पहचान कर आप धोखा खाने से बच सकते हैं। तो जाने जींस के असली नकली की पहचान आप किस प्रकार कर सकते हैं।

बटनों में खास मार्क

जो जींस असली होती है उसमें लगने वाली बटनों में खास तरह का मार्क लगा होता है। यदि आपकी जींस में उपयोग किया जाने वाला बटन प्लेन है तो तुरंत ही समझ जाइए की वह जींस नकली ब्रांड की है। हमेशा जींस में आपको लेविस का मार्क खास तरह से लगा हुआ मिलेगा।

555 नंबर

ब्रांड जीस की सही पहचान जानने के लिएउसके बटन में इस बात पर गौर करे कि उसमें लिखा जाने वाला नं. 555 है या नही। अगर नहीं है तो आपकी जींस लेविस ब्रांड का नहीं है। वैसे तो बाजार में आपको अपनी ओर खींचने के लिए कई तरह के अलग अलग ब्रांड के जींस दिखाए जाते हैं। जो ज्यादातर नकली भी होते हैं।

डब्ल्यू33 एल 34

लेविस ब्रांड के जींस की सबसे बड़ी खासियत ये होती है कि इसमें दिए लोगो में डाले गए अंक की लंबाई और चौड़ाई, खास तरह से लिखी होती है। इसमें डब्ल्यू33 एल 34 लिखा मिलेगा यदि आपकी जींस में इस प्रकार का नंबर नही है तो आपकी जींस नकली ब्राडं की है।

प्रेम और दया सबसे बेहतर रास्ता...

ईश्वर को खुश करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। मंत्र साधक लाखों बार मंत्र जप करते हैं, भक्ति मार्ग पर चलने वाले लोग मंदिर जाकर ईश्वर की पूजा करते हैं। धूप-दीप आरती से भगवान को प्रसन्न करने की भी कोशिश करते हैं। इतना करने के बाद भी यह पता नहीं होता कि ईश्वर हमें प्यार करता है या नहीं। प्रेम में सफलता तभी मिलती है जब हम जिसे प्यार करते हैं वह हमें प्यार करे। इसलिए हमेशा ऐसा काम करें जिससे ईश्वर आपको प्यार करे। यह काम पूजा-पाठ और मंत्र जप से भी आसान है। सभी धर्म एक बात पर सहमत है कि प्रेम और दया यह दो ऐसे साधन है जिसकी बदलौत हम ईश्वर को मजबूर कर सकते हैं कि वह हमें प्यार करें। प्रेम और दया ऐसी चीज है जिसके लिए न तो धन की जरूरत पड़ती है और न ही किसी दूसरे साधनों की। यह अपने आप में पूर्ण और पवित्र है।

प्रेम के बदले प्रेम

हम किसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं तो बदले में हमें भी प्रेम मिलता है। इसका कारण यह है कि जिसके प्रति हम प्रेम दर्शाते हैं उसके हृदय में मौजूद आत्मा जो ईश्वर का स्वरूप होती है वह प्रसन्न होती है और बदले में हमें अपने प्रेम की अनुभूति कराती है। गीता, कुरान अथवा बाइबल सभी में दया को ईश्वर को पाने का माध्यम बताया गया है। ईश्वर को फूल, फल अथवा मंत्र से ध्यान करने का उद्देश्य भी यही है कि हमारा मन निर्मल हो और मन में दया की भावना बढ़े। जिसने दया करना सीख लिया वह ईश्वर का पुत्र हो जाता है।

परमात्मा के समकक्ष

ईसा मसीह, भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, साई सभी ने अपने जीवन में दया का अनुपम परिचय दिया। अपने इसी गुण के कारण ईश्वर ने इन्हें प्यार किया और ईश्वरीय शक्ति इनमें समाहित हो गयी।

यस्य चित्तं द्रवीभूतं कृपया सर्वजंतुष।
तस्य ज्ञानेन मोक्षेण किं जटाभस्मलेपनैः।।

अर्थात जिसका हृदय सभी प्राणियों पर दया करने हेतु द्रवित हो उठता है, उसे ज्ञान, मोक्ष, जटा और भस्म लगाने की क्या जरूरत? भाव यह है कि हमें सभी प्राणियों पर दया करनी चाहिए, उनसे स्नेह करना चाहिए। जो ऐसा करता है, उसका स्थान परमात्मा के समकक्ष हो जाता है।

दया धर्म का मूल

किसी अन्य प्राणी को कष्ट में देखने पर उसके कष्ट दूर करने के उद्देश्य से उसकी सहायता करने की जिस इच्छा का मनुष्य के हृदय में जन्म होता है, वह दया या करुणा कहलाती है। गोस्वामी तुलसी दास जी ने राम चरित मानस में एक दोहे में कहा है-दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान। तुलसी दया न छोड़िये जब लगि घट में प्राण।।

विचारणीय यह है कि यदि दया धर्म का मूल है तब धर्म को स्थायित्व प्रदान करने और सशक्त बनाये जाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति, जो धर्म में विश्वास रखता है अथवा जो धर्म की उन्नति चाहता है अथवा जो अपने को धर्म का रक्षक कहता है, को अपने अन्दर के दया भाव को जागृत कर उसका प्रयोग धर्म की जड़ों के सशक्तिकरण के लिए करना होगा। सभी प्राणियों पर दया करते हुए असहाय दलितों, वंचितों और गरीबों पर विशेष दया दृष्टि से उनका दर्द कम करना होगा। कोरे भाषण देकर धर्म की पैरबी करने, दयनीय जीवन जी रहे लोगों को अल्पकालिक लालच देकर अपने समुदाय में शामिल करने अथवा उनके इर्द-गिर्द पहरेदार खड़े करने से धर्म की जड़े मजबूत नहीं होंगी।

जीवन के प्रति सजग भाव

जिस मनुष्य में जीवन के प्रति सहज भाव है उसे कहीं जाने की आवश्यकता नहीं है। संत रविदास ने कहा है कि 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'। इसके विपरीत बाजार के आर्थिक स्वामी तथा प्रचार प्रबंधक अपने शोर से लोगों के मन को ही भटकाते हैं। जिस धर्म का पालन सही ढंग से एकांत में हो सकता है उसे उन्होंने चौराहे पर चर्चा का विषय बना दिया है। भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व में यही स्थिति है। हर धर्म के ठेकेदार अपने निर्धारित विशिष्ट रंगों के वस्त्र पहनकर यह प्रमाणित करते हैं कि वह अपने समाज के माननीय है। यह अलग बात है कि किसी भी धर्म के मूल प्रवर्तक ने अपने समाज के लिए किसी खास रंग की पहचान नहीं बनाई। इस तरह धर्म को लेकर एक तरह से भ्रम की स्थिति बन गई है। अगर हम प्राचीन ग्रंथों के आधार पर धर्म के सिद्धांत की पहचान करें तो वह आचरण के आधार पर बना हुआ होता है। उसको कोई निश्चित कर्मकांड नहीं है। यही कारण है कि धार्मिक रूप से हमारे यहां एकता है पर कर्मकांडों में स्थान और क्षेत्र के आधार पर भिन्नता पाई जाती है। जहां तक स्वयं धर्म के आधार पर चलने का प्रश्न है तो उस पर अवश्य विचार करना चाहिए। प्रात:काल उठकर योगसाधना तथा पूजा आदि कर मन को स्वस्थ तथा प्रसन्न चित्त बनाना चाहिए। उससे पूरा दिन अच्छा निकलता है। धर्म को लेकर लोगों से अधिक चर्चा नहीं करना चाहिए क्योंकि अधिकतर लोग इस बारे में अपना ज्ञान बघारते हैं। हमारे आसपास धर्म के मार्ग पर चलने वाले लोग उंगलियों पर गिनती करने लायक ही होते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**